दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-68 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) सोमवार 20 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

भव्य और दिव्य स्वरुप में विकसित होगी भगवान परशुराम की जन्म-स्थली..............

भगवान परशुराम और श्रीकृष्ण लोक से जानापाव को मिलेगी राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

>>> 17.41 करोड़ की लागत से होंगे विकास काय

>>> मुख्यमंत्री ने नारायण के छठवें अवतार भगवान परशुराम की जन्म-स्थली पर की पूजा-अर्चना

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सनातन परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और विकासोन्मुख दृष्टि का समन्वित संदेश देते हुए कहा कि भगवान परशुराम का जीवन आस्था, श्रद्धा और धर्म की स्थापना के लिए समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हर युग में अधर्म के विरुद्ध खड़े होकर परशुराम जी ने धर्म की पुनर्स्थापना की और शस्त्र तथा शास्त्र दोनों में पारंगत रहकर संतुलित शक्ति का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की जन्म-स्थली जानापाव में 17.41 करोड़ की लागत से श्री परशुराम-श्रीकृष्ण लोक विकसित किया जायेगा, जो भगवान परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने वाला एक प्रमुख आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन का केन्द्र बनेगा। इस लोक के माध्यम से जानापाव को राष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर इंदौर जिले के जानापाव में आयोजित 'परशुराम प्रकटोत्सव' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की और महाभारतकालीन अस्त्र-शस्त्रों और चक्रव्यूह की कला पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जानापाव क्षेत्र से 7 से अधिक नदियों का उद्गम हुआ है, जिनमें प्रमुख रूप से चंबल, गंभीर, अजनार, चोरल शामिल हैं। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गंभीर और अजनार नदी को पुनर्जीवित करने की कार्य-योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नदियां धरती माता की धमनियों के समान है। उनका संरक्षण, पुनर्जीवन और सतत प्रवाह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। नदियों के जीवित होने से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित नदी जोड़ो अभियान की सराहना करते हुए कहा कि केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखण्ड क्षेत्र और पार्वती-कालीसिंध परियोजना से मालवा एवं राजस्थान क्षेत्र को पेयजल, सिंचाई उद्योग और बिजली उत्पादन में व्यापक लाभ मिलेगा, जो क्षेत्रीय विकास को नई गति देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम के विवाह में परशुराम जी के धनुष की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जो उस काल की परंपरा और सामर्थ्य का प्रतीक है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि परशुराम जी के आशीर्वाद से ही उन्होंने असंभव प्रतीत होने वाले कार्यों को संभव किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परशुराम जी को महान गुरु बताते हुए कहा कि उन्होंने भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महायोद्धाओं को शिक्षित कर उन्हें दिव्यास्त्रों का ज्ञान प्रदान किया।

गुरुग्राम में नकली 'मौनजारो' इंजेक्शन की बड़ी खेप पकड़ी गई, सप्लाई नेटवर्क की जांच में जुटा ड्रग कंट्रोल विभाग

गुरुग्राम (ए.)। नकली दवाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग कंट्रोल विभाग ने गुरुग्राम में डायबिटीज के इलाज में इस्तेमाल होने वाले मौनजारो इंजेक्शन की करीब 70 लाख रुपये की खेप जब्त की है। इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है।

ड्रग कंट्रोल ऑफिसर अमनदीप चौहान के अनुसार, विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर में बड़ी मात्रा में नकली मौनजारो इंजेक्शन की सप्लाई की जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने तुरंत छापेमारी की और संदिग्ध स्टॉक को बरामद कर लिया। प्रारंभिक जांच में यह पूरा जखीरा नकली होने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मौनजारो इंजेक्शन मूल रूप से डायबिटीज के मरीजों के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है, लेकिन हाल के समय में इसका इस्तेमाल वजन घटाने के लिए भी बढ़ गया है। इसी बढ़ती मांग का फायदा उठाकर नकली दवाओं का अवैध कारोबार करने वाले गिरोह सक्रिय हो गए हैं।

फिलहाल विभाग इस बात की जांच कर रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में नकली इंजेक्शन कहां से लाए गए और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि सप्लाई चेन की पूरी कड़ी को खंगाला जा रहा है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हिंद महासागर का जहाज सागर थाईलैंड के फुकेट से रवाना हुआ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। हिंद महासागर जहाज (आईओएस) सागर - आईएनएस सुनायना ने तीन दिवसीय तीव्र गति वाले परिचालन बदलाव (ओटीआर) को पूरा करने के बाद 17 अप्रैल 2026 को फुकेट, थाईलैंड से प्रस्थान किया, जो चल रही तैनाती के दौरान उसके दूसरे पत्तन आह्वान की सफल समाप्ति का प्रतीक है।

फुकेत की यात्रा के दौरान, आईओएस सागर ने रॉयल थाई नौसेना (आरटीएन) के साथ कई पेशेवर, रणनीतिक और सांस्कृतिक बैठकें कीं, जिससे द्विपक्षीय नौसैनिक सहयोग को महत्वपूर्ण मजबूती मिली। आईएनएस सुनायना के कमान अधिकारी कमांडर सिद्धार्थ चौधरी ने आरटीएन के तीसरे नौसेना क्षेत्र कमान के चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल सथापोर्न वजारत से मुलाकात की और समुद्री सहयोग के प्रति साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

चोल विरासत टिप्पणी पर विवाद, कमल हासन से सार्वजनिक माफी की मांग तेज

चेन्नई,(ए.)। चुनावी माहौल के बीच अभिनेता और राजनेता कमल हासन की एक टिप्पणी ने बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। चेन्नई हार्बर में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने तमिलनाडु के मंत्री सेकर बाबू के मंदिर पुनर्निर्माण कार्यों की तुलना चोल सम्राट राजराजा चोल प्रथम से कर दी थी, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई है और सार्वजनिक माफी की मांग की है।

भाजपा का कहना है कि कमल हासन का यह बयान तमिल इतिहास और चोल साम्राज्य की विरासत का अपमान है। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने इसे "बेहद खेदजनक" बताया और कहा कि राजराजा चोल जैसे महान शासक की उपलब्धियों की तुलना राजनीतिक लाभ के लिए नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि कमल हासन अपने बयान को वापस लें और सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

विवादित बयान में कमल हासन ने कहा था कि मंत्री सेकर बाबू ने राजराजा चोल से भी अधिक 'कुंभभिषेकम' (मंदिर अभिषेक) किए हैं। इसी टिप्पणी को लेकर भाजपा ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। प्रसाद ने कहा कि राजराजा चोल प्रथम ने न केवल बृहदीश्वर मंदिर जैसे ऐतिहासिक धरोहरों का निर्माण कराया, बल्कि चोल साम्राज्य का विस्तार श्रीलंका और दक्षिण-पूर्व एशिया तक किया था।

शांति वार्ता पर मंडराया संकट : नाकेबंदी से खफा ईरान नहीं भेजेगा डेलिगेशन? जेडी वेंस के शामिल होने पर भी संशय

नई दिल्ली(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली दूसरे दौर की शांति वार्चा पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जहां एक और ट्रंप ने ईरान को डील करने के लिए आखिरी धमकी दे डाली है, तो वही नाकाबंदी से खफा ईरान वार्ता से पीछे हटने की धमकी दे रहा है। बता दें कि दूसरे दौर की भी वार्ता इस्लामाबाद में होनी है, लेकिन वार्ता से पहले कई पेच फंस गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पास जहाजों पर गोलीबारी करके ईरान ने दोनों देशों के बीच हुए युद्धविराम का पूर्ण उल्लंघन किया है।

दिनेश त्रिवेदी बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त बनाए गए

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के बीच केंद्र सरकार ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और बैरकपुर से सांसद दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का उच्चायुक्त नियुक्त किया है. बांग्लादेश में पहले राजनीतिक नियुक्त के तौर पर दिनेश त्रिवेदी वर्तमान में कार्यरत प्रणय वर्मा की जगह लेंगे. वहीं प्रणय वर्मा अब ब्रसेल्स जाकर ईयू में भारत के राजदूत के रूप में काम संभालेंगे. दिनेश त्रिवेदी को उच्चायुक्त बनाए जाने पर दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिस्ट ने बधाई दी है. उन्होंने एक्स पोस्ट कर लिखा, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश त्रिवेदी जी को बांग्लादेश में भारत के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई. त्रिवेदी जी एक अनुभवी नेता हैं।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर को ट्रंप प्रशासन के लिए खतरा बताया

वॉशिंगटन, (ए.)। अमेरिकी इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित खतरा बताया है. इसके पीछे वजह ईरान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे संबंध बताए गए हैं.

रिटायर्ड पाकिस्तानी जनरल अहमद सईद ने बताया कि मुनीर के ईरान के ऊंचे ओहदों पर बैठे लोगों के साथ निजी संबंध थे. इनमें मारे गए कुद्स फोर्स के कमांडर कासिम सुलेमानी और आईआरजीसी कमांडर हुसैन सलामी शामिल थे. पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक महत्वपूर्ण गुप्त मध्यस्थ के रूप में मुनीर की भूमिका को देखते हुए इन संबंधों की गहन जांच हो रही है. हालांकि राष्टपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से मुनीर की प्रशंसा करते हुए उन्हें अपना पसंदीदा फील्ड मार्शल बताया है, लेकिन खुफिया अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि उनकी दोहरी भूमिका अमेरिकी हितों को खतरे में डाल सकती है.

मणिपुर में उग्रवादियों का हमला, रिटायर्ड जवान समेत दो की मौत, कई घायल

>>> यह हमला मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह के उखरुल दौरे के एक दिन बाद हुआ

इम्फाल,(ए.)। मणिपुर में बढ़ते तनाव के बीच फिर हिंसा की बड़ी घटना हुई। उखरुल जिले में नेशनल हाईवे-202 पर उग्रवादियों द्वारा किए गए घात लगाकर हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक सेवानिवृत्ति सेना का जवान भी शामिल है। इस मामले में तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि यह हमला लेइंगांगचिंग और टीएम कासोम के बीच हुआ, जब हथियारबंद हमलावरों ने इंफाल से उखरुल जा रहे एक काफिले पर गोलियां बरसाईं। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने दूर से स्नाइपर जैसे हथियार से निशाना साधा, जिससे यात्रियों को संभलने का मौका नहीं मिला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले में जिन दो लोगों की मौत हुई है, उनमें एक रिटायर्ड आर्मी जवान शामिल है। एक अन्य घायल व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ा। वहीं, अन्य घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान ताशर गांव के नागा रेजिमेंट के रिटायर्ड जवान चाइना ओशांग शोकवुंगनाओ और खारासोम गांव के यारिंगम वाशुम के रूप में हुई है।

बता दें यह हमला मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह के उखरुल दौरे के एक दिन बाद हुआ। अपने दौरे के दौरान सीएम ने तांगखुल नागा और कुकी गांव वालों से मुलाकात की थी और फरवरी से दोनों समुदायों के बीच जारी हिंसा के बीच शांति बनाए रखने की अपील की थी। सीएम खेमचंद ने इन हत्याओं की निंदा करते हुए इन्हें निर्दोष लोगों की जान पर हमला बताया और कहा कि इस मामले की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को सौंप दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। सीएम ने बताया कि सुरक्षा बलों ने हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर दो अमेरिकी नागरिक हिरासत में, सैटेलाइट फोन बरामद

-रूटीन चेकिंग में मिला प्रतिबंधित डिवाइस, पूछताछ के बाद किए गए पुलिस के हवाले

श्रीनगर,(ए.)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने दो अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में लिया है। जांच के दौरान उनके पास से सैटेलाइट फोन मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। एयरपोर्ट सिक्योरिटी ने प्रारंभिक पूछताछ के बाद दोनों को स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, नियमित सुरक्षा जांच के दौरान जब इन यात्रियों के सामान की स्कैनिंग की गई, तब एक बैग में सैटेलाइट फोन पाया गया। संबंधित व्यक्ति की पहचान जेफरी स्कॉट के रूप में हुई है, जो अमेरिका के मोंटाना राज्य का निवासी बताया जा रहा है। बरामद किया गया सैटेलाइट फोन गार्मिन कंपनी का बताया जा रहा है, जो नेविगेशन और कम्युनिकेशन डिवाइस बनाने के लिए जानी जाती है। सुरक्षा नियमों के तहत भारत में बिना अनुमति सैटेलाइट फोन रखना प्रतिबंधित है, जिसके चलते अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार घटना के बाद दोनों विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेकर विस्तृत पूछताछ की गई और बाद में स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया।

यूपी में अवैध सरोगेसी और कोख सौदेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

निसंतान दंपतियों से लाखों रुपए में करता है सौदा, यह नेटवर्क कई शहरों में है सक्रिय

लखनऊ,(ए.)। यूपी में अवैध सरोगेसी और कोख की सौदेबाजी से जुड़े एक बड़े रैकेट का खुलासा होने से हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह नेटवर्क राज्य के कई शहरों में सक्रिय है और सरोगेसी के नाम पर नियमों की खुली अवहेलना कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस गिरोह का संचालन एक निजी अस्पताल से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि यह रैकेट निसंतान दंपतियों को सरोगेसी के नाम पर 7 से 15 लाख रुपए तक का सौदा कराता है। साथ ही महिलाओं की उम्र, शारीरिक बनावट और रंग-रूप के आधार पर उनकी कीमत तय करने जैसे गंभीर आरोप भी सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस नेटवर्क में गरीब महिलाओं को पैसे का लालच देकर सरोगेट मदर बनाया जाता है। इनमें कुछ कुंवारी लड़कियां भी शामिल बताई जा रही हैं। गर्भावस्था के दौरान उन्हें गुप्त स्थानों पर रखा जाता है ताकि सामाजिक दबाव या पहचान उजागर न हो। जन्म के बाद बच्चों को संबंधित दंपतियों को सौंप दिया जाता है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह केवल सरोगेसी तक सीमित नहीं है, बल्कि अवैध लिंग चयन और नवजात शिशुओं की खरीद-फरोख्त जैसे गंभीर अपराधों में भी शामिल है। इन गतिविधियों की निगरानी के लिए खुफिया कैमरों और डिजिटल साक्ष्यों का सहारा लिया गया है।

बता दें भारत में व्यावसायिक सरोगेसी पूरी तरह प्रतिबंधित है। केवल परोपकारी सरोगेसी की अनुमति है, जिसमें सरोगेट महिला को कोई आर्थिक लाभ नहीं दिया जाता और वह अक्सर रिश्तेदार होती है। इसके बावजूद ऐसे अवैध नेटवर्क का सक्रिय रहना कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले में जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 5 से 10 साल तक की सजा और भारी जुर्माने भी लगाया जाएगा। इस खुलासे के बाद प्रशासन ने पूरे प्रदेश में अवैध क्लीनिकों और सरोगेसी से जुड़े सेंटरों पर निगरानी बढ़ा दी है। वहीं, विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला न केवल कानूनी उल्लंघन है, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और गरिमा से जुड़ा गंभीर सामाजिक मुद्दा भी है।

एलपीजी संकट से सूरत में कारखाने बंद, लोग पलायन कर रहे; रेलवे स्टेशन पर उमड़ा जनसैलाब

सूरत, (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जंग का असर अब भारत के कारखानों में दिखने लगा है। जंग की वजह से पैदा हुए एलपीजी संकट के चलते सूरत में कई कारखाने बंद हो गए हैं। इसके चलते दूसरे राज्यों के मजदूरों को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है। आज सुबह सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर घर लौट रहे कारीगरों-मजदूरों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान कुछ देर के लिए भगदड़ जैसे हालात बन गए।

रविवार होने के चलते आज उधना स्टेशन पर लोगों की भारी भीड़ रही। इस दौरान करीब 11:30 बजे उधना-हसनपुर ट्रेन में बैठने के लिए लोगों को लाइन में खड़ा किया जा रहा था। तभी कुछ लोगों ने लाइन तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जिस वजह से भगदड़ जैसे हालात हो गए। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस और आरपीएफ के जवानों ने भीड़ पर हल्का लाठीचार्ज किया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

सूरत में बड़ी संख्या में टेक्सटाइल कारखाने हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यहां रोजाना लगभग 15,000 गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल होता है। हालांकि, ईरान युद्ध के चलते एलपीजी की कमी के कारण उत्पादन लगभग ठप पड़ा है। कई यूनिट्स को अपना काम धीमा करना पड़ा है या कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा है। इसी वजह से यहां काम करने वाले मजदूर मजबूरी में घरों की ओर लौट रहे हैं।

काम बंद होने और रोजगार को लेकर अनिश्चितता बढ़ने के कारण बड़ी संख्या में मजदूर सूरत से अपने गांवों को लौट रहे हैं। इनमें से ज्यादातर उत्तर प्रदेश और बिहार से हैं। अनुमान के मुताबिक, अब तक करीब 3 लाख मजदूर सूरत छोड़ चुके हैं। गैस की कमी के चलते पहले रोजाना लगभग 6.5 करोड़ मीटर कपड़ा तैयार होता था, जो अब घटकर करीब 4.5 करोड़ मीटर रह गया है। इससे मजदूरों के साथ-साथ व्यापारियों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

शनिवार शाम से ही स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। रेलवे ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों को लाइन में खड़ा किया है। इस दौरान 5 किलोमीटर लंबी लाइन लग गई। रेलवे अधिकारी श्रवण कुमार मेघवाल ने बताया, अब तक 4 ट्रेनों को रवाना किया जा चुका है, जो शनिवार रात 1:30 बजे से रविवार सुबह 9 बजे के बीच चलाई गईं।

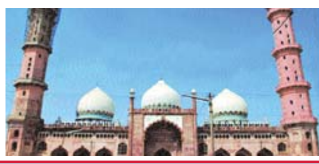

बेटियों के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-धार जिले के सिरसोदिया में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 400 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे
-अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने नव-दंपत्तियों पर पुष्पवर्षा कर दिया आशीर्वाद

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश की बेटियों के सशक्तिकरण और उनके उज्जवल भविष्य के लिए पूरी तरह संकल्पित है। सामूहिक विवाह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल और सहयोग के जीवंत प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर धार जिले के ग्राम सिरसोदिया में मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सांस्कृतिक महत्व और सामाजिक आधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार जिले की यह पावन धरा भगवान श्री कृष्ण एवं माता रुक्मणी की ऐतिहासिक स्मृतियों से जुड़ी है, जिससे इस मांगलिक आयोजन का महत्व और अधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि विवाह हमारी गौरवशाली संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी और समाज का आधार है। प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के साथ एक सच्चे मित्र की तरह हमेशा खड़ी है।

अभिभावक के रूप में निभाई भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं अभिभावक का दायित्व निभाते हुए सभी 400 नव-विवाहित जोड़ों पर पुष्पवर्षा की और उन्हें सुखद एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बेटियों के विवाह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ। भारतीय संस्कृति में विवाह एक श्रेष्ठ और पवित्र संस्कार है यह 16

संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण है जिसे पाणिग्रहण संस्कार भी कहा जाता है। सरकार की इस योजना के माध्यम से उन सभी गरीब अभिभावकों की इस चिंता को खत्म किया है।जिससे वे बेटियों की शादी को बोझ नहीं वरदान समझे। इस योजना के माध्यम से गरीब, जरूरतमंद, निराश्रित परिवारों को उनकी बेटियों की शादी के लिए वित्तीय सहायता की जाती है। नवविवाहित जोड़ों को 49 हजार रूपए की राशि का अर्थिक सहयोग दिया जाता है। क्षेत्रीय विधायक कालुसिंह ठाकुर, प्रभारी कलेक्टर अभिषेक चौधरी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि,वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

पीएमश्री हेली सेवा के रूप में ओरछा के लिए शुरू की गई पुष्पक विमान की व्यवस्था : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि ओरछा में राजा के रूप में विराजमान हैं भगवान श्रीराम, के दर्शन के लिए पीएमश्री हेली सेवा के रूप में ओरछा के लिए पुष्पक विमान की व्यवस्था की गई है। परशुराम जयंती के मंगल अवसर पर पर्यटन की दिशा में आज मध्यप्रदेश ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहा है। आज भोपाल-ओरछा और चंदेरी सेक्टर के लिए पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ हो रहा है। आज जिन दो शहरों के लिए सेवा की शुरुआत की गई है, दोनों ही प्रदेश के विरासत स्थल हैं। चंदेरी का संबंध भी श्रीराम और श्रीकृष्ण से ही है। चंदेरी, पौराणिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन नगरी के रूप में विख्यात है। मध्यप्रदेश में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर से महाराष्ट्र सहित कई राज्य प्रेरणा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को राजधानी के स्टेट हैंगर से पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के अंतर्गत नए सेक्टर भोपाल-चंदेरी-ओरछा का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए तथा हेलीकॉप्टर को झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रदेश में पर्यटन और धार्मिक यात्राओं को सुगम, सुरक्षित और आनंददायक बनाना हेली पर्यटन सेवा का उद्देश्य है। कार्यक्रम में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री तथा अशोकनगर के प्रभारी राकेश शुक्ला, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय तथा फ्लाई ओला के एस.राम ओला उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धा, साहस, पुरुषार्थ, पराक्रम, ज्ञानशीलता, दानशीलता और उद्दात चरित्र के धनी भगवान परशुराम ने सदैव अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। अपने साहस-पराक्रम और पुरुषार्थ के नए-नए कीर्तिमान स्थापित करने वाले भगवान परशुराम जी हर युग में हम सबको प्रेरणा देते रहेंगे। ऐसे दिव्य व्यक्तित्व की जयंती पर प्रदेश को पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा समर्पित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों की सेवा के लिए समान रूप से कार्य कर रही है। इलाज के लिए जरूरतमंद लोगों को पीएमश्री एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने की पहल देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश द्वारा ही आरंभ की गई है।

प्रदेश में सभी आबकारी दुकानें बिकी, 18676 करोड़ रुपये का मिलेगा राजस्व

भोपाल (ए.)। आबकारी नीति के प्रावधानों के चलते प्रदेश में सभी 3553 शराब की सभी दुकानो की बिक्री हो गई हैं। इन दुकानों से 18676.80 करोड़ कुल रेवेन्यू प्राप्त होगा। यह पिछले साल की सालाना वैल्यू से 12.33 प्रतिशत ज्यादा है। दूसरे सोर्स से अनुमानित इनकम 1775 करोड़ रुपए होगी। यह दुकानों से प्राप्त कुल रेवेन्यू का 9.5 प्रतिशत है। इन दुकानों की बिक्री से एक्साइज डिपार्टमेंट से अनुमानित रेवेन्यू कलेक्शन 20481.80 करोड़ रूपये होगा। वित्त विभाग द्वारा तय टारगेट 20279 करोड़ रुपए है। उल्लेखनीय है किवर्ष 2026-27 के लिए आबकारी नीति के निर्धारण एवं संबंधित विषयों पर निर्णय लेने एवं आगामी वर्षों के लिये सुझाव देने मंत्रि-परिषद् समिति का गठन किया गया है। मदिरा दुकानों/ समूहों पर प्राप्त ऑफर पर निर्णय लेने मंत्रि-परिषद समिति की बैठक दिनांक 18-04-2026 को उप मुख्यमंत्री, वाणिज्यिक कर विभाग की अध्यक्षता में बुलाई गई थी। बैठक में आबकारी विभाग द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के लिये मदिरा दुकानों/ समूहों के मंत्रि-परिषद समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि- 1. दिनांक 18.04.2026 को 24वें चरण में आरक्षित मूल्य से अधिकतम 65 प्रतिशत तककम के ऑफर प्राप्त हुए हैं एवं उक्त दुकानों/समूहों के लिए पूर्व में 10वें चरण (दिनांक 31.03.2026) एवं 11वें चरण (दिनांक 01.04.2026) तथा 21वें चरण (दिनांक 15.04.2026) में प्राप्त ऑफर भी होल्ड पर रखे गये हैं। दुकान/समूह के लिए 24वें चरण में प्राप्त ऑफर और पूर्व से होल्ड ऑफर में प्राप्त मूल्य की तुलना आबकारी नीति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किये जाने और उक्त दोनों में से जो भी उच्च ऑफर है, उसे स्वीकार किया जाता है।

बीना-कटनी तीसरी लाइन परियोजना : मध्यप्रदेश के विकास की नई रफ्तार

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण रेल खंडों में से एक बीना-कटनी सेक्शन पर तीसरी लाइन परियोजना के अंतर्गत बांदकपुर से घटेरा रेलखंड का कार्य संपन्न होने के साथ ही इस परियोजना का कार्य पूर्ण हो गया है। कुल 259.91 किलोमीटर लंबी यह परियोजना वर्ष 2016-17 में स्वीकृत हुई थी, जिसकी कुल लागत लगभग ? 4000 करोड़ से अधिक रही। इस खंड में 12 महत्वपूर्ण एवं 26 बड़े पुलों सहित 311 छोटे पुलों का निर्माण किया गया तथा कुल 32 रेलवे स्टेशन इस परियोजना से लाभान्वित हुए हैं।

भू-रणनीतिक महत्व और जंक्शन कनेक्टिविटी:-

- इस परियोजना के दोनों छोर पर स्थित कटनी और बीना रेलवे स्टेशन, स्टेशन रेल नेटवर्क की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन हैं।
- कटनी स्टेशन पाँच प्रमुख रेल मार्गों (कटनी-सिंगरौली, कटनी-बीना, कटनी-मानिकपुर, कटनी-जबलपुर एवं कटनी-बिलासपुर) को जोड़ता है। यह

उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम दिशा की ट्रेनों के लिए एक प्रमुख संगम बिंदु है।
- बीना स्टेशन से चार प्रमुख रेल मार्गों (बीना-झाँसी, बीना-गुना, बीना-भोपाल एवं बीना-कटनी) का संचालन होता है, जो इसे उत्तर भारत एवं मध्य भारत को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण जंक्शन बनाता है। ऐसी स्थिति में, इन दोनों महत्वपूर्ण जंक्शनों के बीच तृतीय लाइन का निर्माण इस खंड की महत्ता को और अधिक सुदृढ़ करता है। यह केवल एक अतिरिक्त ट्रैक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रेल नेटवर्क की दक्षता को बढ़ाने वाला संरचनात्मक सशक्तीकरण है।

कोयला परिवहन का प्रमुख मार्ग

बीना-कटनी सेक्शन देश के सबसे व्यस्त कोयला परिवहन मार्गों में से एक जहाँ से बड़ी मात्रा में कोयला विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों तक पहुंचाया जाता है।

तृतीय लाइन के संचालन से

- मालगाड़ियों की गति एवं आवागमन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- ट्रैफिक जाम एवं लाइन क्लीयरेंस की समस्या में कमी हुई है।
- कोयले की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे विद्युत उत्पादन निर्बाध रहेगा।
- संपूर्ण खंड की वहन क्षमता में व्यापक वृद्धि हुई है।

सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव

- सागर जिला, दमोह जिला और कटनी जिला के समग्र विकास को गति मिलेगी।
- औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन प्राप्त होगा।
- स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
- व्यापार, कृषि एवं खनन क्षेत्र को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी।
- क्षेत्रीय संतुलित विकास को मजबूती मिलेगी।

टीटी नगर इलाके में बीटेक छात्र ने जहर खाकर दी जान

भोपाल (आरएनएस)। टीटी नगर इलाके में रहने वाले बीटेक छात्र ने शनिवार रात जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों और दोस्तों ने उसे तलाश कर अस्पताल पहुंचाया, जहां रविवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हिमांशु लोवंशी (22) ने जहर खाने के बाद अपने दोस्त को कॉल कर इसकी जानकारी दी। उसने बताया कि वह हबीबगंज इलाके में है और घर पहुंच जाएगा। दोस्तों ने इसकी सूचना परिवार को दी। इसके बाद परिजन और दोस्त युवक की तलाश करते हुए उसे नर्मदा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज शुरू किया गया।अस्पताल में उपचार के दौरान रविवार सुबह हिमांशु की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में प्रेम प्रसंग के चलते आत्महत्या की बात सामने आ रही है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त कर लिया है, जिसकी जांच की जा रही है।हिमांशु लोवंशी अर्जुन नगर का निवासी था और टीआईटी कॉलेज से बीटेक सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था। रविवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है। मृतक के पिता ने कहा कि बेटे ने कभी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा कि अगर वह बात बताता तो परिवार उसकी मदद करता।

महापौर ने शाश्वत छत्र स्थापना महोत्सव में हुई सम्मिलित

भोपाल 19 अप्रैल (आरएनएस)।महापौर मालती राय श्री श्री 108 श्री संभव सागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित शाश्वत छत्र स्थापना महोत्सव में सम्मिलित हुई। महापौर मालती राय रविवार को एम.पी.नगर स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन तीर्थ में आयोजित शाश्वत छत्र स्थापना महोत्सव में सम्मिलित हुई। महापौर राय ने आचार्य श्री का आशीर्वाद ग्रहण किया और छत्र स्थापना की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इस मौके पर आयोजन समिति द्वारा महापौर मालती राय का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर पंकज जैन (सुपारी) सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन मौजूद थे।

अब तक 2939 स्थानों पर हुई जाँच, 4547 गैस सिलेण्डर किये गये जब्त

भोपाल (आरएनएस)।खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2939 स्थानों पर जांच की गई, 4547 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 12 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 764 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 2 प्रकरण में एफआई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है मंत्री राजपूत ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें। इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गैस की सतत आपूर्ति होगी। उपभोक्ताओं से आग्रह है कि किसी तरह का भ्रम नहीं पालें।

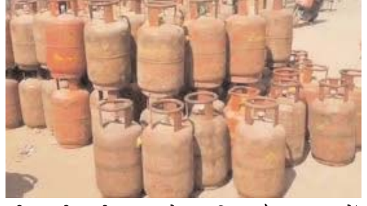

पीएनजी पूरी तरह से सुरक्षित है। भारत में कच्चे तेल (Crude Oil) का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी (LPG) पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70 प्रतिशत सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं। यह भी ध्यान रखा जाये कि सड़क पर कारोबार कर रहे छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेण्डर) को भी उक्त अनुसार कमर्शियल सिलेण्डर प्रदाय किये जायें। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय (E&tended Hours) तक काम कर रहे हैं। प्रदेश के जिलों में स्थित बॉटलिंग प्लांट तथा वितरकों के पास उपलब्धता एवं प्रदाय की सतत् रूप से समीक्षा की जा रही है। साथ ही माइग्रेन्ट लेबर, छात्रों आदि के लिए खाना पकाने के लिये 05kg के सिलेण्डेर ऑयल कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

आम जनता से अपील की गई है कि वह वैकल्पिक साधनों, जैसे इंडक्शन, सोलर कुकर, बायो गैस, गोबर धन तथा स्वससहायता समूहों द्वारा उत्पादित गो-काष्ठ का उपयोग करें। वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग को उनके यहां रजिस्टर्ड 44 कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्रोजेक्ट को चालू करने के निर्देश दिये गये हैं। इसी प्रकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 44 जिलों में 136 बायोगैस प्लांट संचालित होना बताया गया है। इन बायोगैस प्लांटों को क्रियाशील करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

लव ट्रायंगल में युवक की हत्या

भोपाल (आरएनएस)। बैरसिया में लव ट्रायंगल ने खौफनाक रूप ले लिया। एक महिला अपने पुराने प्रेमी के साथ घूम रही थी, जिसे देखकर नया प्रेमी भड़क गया। रास्ते में विवाद इतना बढ़ा कि महिला ने ही पुराने प्रेमी को पकड़ लिया और नए प्रेमी ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना 15 अप्रैल की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी अनिरुद्ध यादव (32) और महिला सोना मीणा (40) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को कोर्ट में पेश कर आगे की पूछताछ के लिए रिमांड लिया जा रहा है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि महिला का मृतक हनीफखान के साथ करीब तीन साल से प्रेम संबंध था। करीब एक साल पहले उसकी मुलाकात अनिरुद्ध यादव से हुई, जिसके बाद वह उसके साथ भी रिश्ते में आ गई। यही दोहरा संबंध आगे चलकर हत्या की वजह बना। घटना के दिन महिला, हनीफखान के साथ बाजार में घूम रही थी। इसी दौरान अनिरुद्ध यादव ने उनका पीछा किया और मेगरा जोड़ के पास सुनसान जगह पर रोक लिया। यहां तीनों के बीच महिला को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते बढ़ गया।

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना भोपाल में विश्व धरोहर दिवस एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भोपाल (निप्र)। सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाडे के संरक्षण में विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर कारखाना की शॉपों, प्रशिक्षण संस्थानों एवं प्रशासनिक भवन परिसर में विभिन्न रोचक कार्यक्रमों जैसे संगोष्ठी, हैरिटेज गैलरी में विडियो शो, प्रश्नमंच कार्यक्रम एवं कारखाना उद्यान में हैरिटेज कोच की सुंदर एवं मनमोहक साज-सज्जा कर सभी के अवलोकन के लिए खोलना आदि कार्यक्रमों का कारखाना के राजभाषा अनुभाग एवं ई. एन. एच. एम. अनुभाग द्वारा सफल आयोजन किया गया। मुख्य समारोह मुख्य कारखाना प्रबंधक, प्रफुल्ल वी. कोहाडे के मुख्य आतिथ्य में कारखाना के प्रशासनिक भवन के सभा गृह में शविवार को आयोजित किया गया। इस समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन तथा कारखाना की सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों दवारा संगीतमय सरस्वती वंदना के साथ किया गया तपश्चात उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, सोहन सिंह परमार ने पौधा भेट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा सहायक कार्मिक अधिकारी एवं संपर्क राजभाषा अधिकारी एम.एल. मौना ने अपने स्वागत भाषण के माध्यम से कार्यक्रम की रूपरेखा संक्षिप्त में प्रस्तुत की।

इस दौरान राजभाषा अनुभाग द्वारा भारतीय रेल की विश्व धरोहरों का संरक्षण विषय पर विडियो क्लीप एवं पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही राजभाषा अधिनियम 1963 तथा उसके अधीन बनाए गए राजभाषा नियमों के उपबंधों के सही कार्यान्वयन हेतु कंप्यूटर एप्लिकेशनों एवं सॉफ्टवेयरों में यूनिकोड समर्थित फॉट के प्रयोग पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, ताकि रेल कर्मियों को हिंदी में काम करने में आसानी हो। इस हिंदी कार्याशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में राजभाषा विभाग, मुख्यालय, जबलपुर से आमंत्रित व्याख्यानकर्ता बिपुल कुमार मंडल ने विडियो क्लीप एवं पीपीटी के माध्यम से उपयोगी सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक (थ्योरिटीकल एंड एक्सप्रीमेंटल) जानकारी दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रफुल्ल वी. कोहाडे ने अपने संबोधन में राजभाषा अनुभाग एवं ई. एन. एच. एम. अनुभाग के सह संयोजन में आयोजित कार्यक्रमों के सफल आयोजन पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय रेल की अपनी समृद्ध एवं गौरवशाली विरासत रही हैं। इन विरासतों को अक्षुण्ण एवं संरक्षित रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस कार्यक्रम में कारखाना के समस्त विभागों के अधिकारी, शॉपों एवं अनुभागों के प्रभारी पर्यवेक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। श्री राकेश कुमार मालवीय, वरिष्ठ अनुवादक ने कार्यक्रम का संचालन एवं मुख्य अतिथि सहित सभी के प्रति आभार किया।

एलपीजी टैंकर दीवार तोड़ते हुए एक घर में जा घुसा,मासूम की मौत,चार घायल

भोपाल (आरएनएस)। छोला मंदिर इलाके में एक एलपीजी टैंकर दीवार तोड़ते हुए एक घर में जा घुसा, जिससे वहां सो रही 7 साल की मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता और भाई गंभीर रूप से घायल हैं। घटना शनिवार रात की है। पुलिस ने टैंकर को कब्जे में ले लिया है। आरोपी ड्राइवर घटना के बाद से फरार है। टैंकर की चपेट में आने से दो अन्य मकानों में भी नुकसान हुआ है। घायलों का इलाज भानपुर के प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, हादस के समय मोहल्ले के अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। अचानक तेज धमाके और चीख-पुकार से पूरा इलाका दहल उठा। बताया जा रहा है कि टैंकर तेज रफ्तार में था और चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद टैंकर सीधे बस्ती में जा घुसा। बताया जा रहा है कि बच्ची एक घंटे तक पहिये के नीचे ही दबी रही। बाद में पुलिस की मौजूदगी में बॉडी को बाहर निकाला जा सका। प्रत्यक्षदर्शियों के

मुताबिक, हादसे के बाद चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही छोला मंदिर और निशातपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। गंभीर रूप से घायल बच्चों को एंबुलेंस के जरिए पीपल्स अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। साथ ही वाहन की तकनीकी जांच भी की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हादसे के समय वाहन की स्थिति क्या थी और कहीं कोई तकनीकी खराबी तो नहीं थी। लोगों ने आरोपी ड्राइवर के खिलाफकड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मौके का जायजा लिया है और घटना की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब, बेसहारा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के लिए वरदान साबित हो रहा है : मंत्री श्री सिलावट

मंत्री एवं विधायक ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनान्तर्गत 22 नवविवाहितों को आशीर्वाद दिया

इन्दौर (ए.)। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज जनपद पंचायत इन्दौर के ग्राम पंचायत जामुनिया खूर्द में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह में शामिल हुए और 22 नवविवाहितों को आशीर्वाद और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया। इस अवसर पर विधायक मधु वर्मा भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब, बेसहारा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए वरदान साबित हो रहा है। प्रदेश में गरीब परिवारों को कन्या विवाह में होने वाली कठिनाईयों को दूर किया है। अब गरीब परिवारों की कन्याओं के विवाह में किसी प्रकार की परेशानियां नहीं होगी और उनकी आर्थिक परेशानियों को दूर किया जायेगा। विवाह को पारिवारिक माहौल में सादगीपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जायेगा। मंत्री सिलावट ने 22 नवविवाहितों को आशीर्वाद एवं विवाह उपहार सामग्री देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनान्तर्गत सरकार द्वारा 51 हजार तक की आर्थिक

सहायता की जाती है, जो सीधे वधू के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से दी जाती है। गायत्री परिवार द्वारा धार्मिक रीति रिवाज से विवाह का आयोजन कराया जाता है। इस अवसर पर पूर्व विधायक जीतु जिराती, जनपद पंचायत अध्यक्ष विश्वजीतसिंह सिसौदिया, वरिष्ठ समाजसेवी देवराज परिहार, रवि रावलिया, धर्मेंद्र वर्मा, रामस्वरूप गहलोत, धनश्याम पाटीदार, महेन्द्र ठाकुर, सरपंच सतीश यादव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रियंका टैगोर सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन बनाना है – कलेक्टर

झाबुआ (ए.)। कलेक्टर डॉ. योगेश भरसट की अध्यक्षता में शनिवार को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद अंतर्गत दृष्टि योजना - पंख कार्यक्रम अंतर्गत स्वयंसेवी संस्थाओं की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने सभी संस्थाओं से आह्वान किया कि वे ग्राम स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान में अधिक से अधिक सक्रिय भूमिका निभाएं और इसे जन आंदोलन का स्वरूप दें। उन्होंने कहा कि अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली समितियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाएगा। कलेक्टर ने सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों की रोकथाम हेतु भी संस्थाओं से आगे आने का आग्रह किया। साथ ही नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से जिले में प्रभावी और जनहितकारी कार्य किए जा सकते हैं, जिसमें जन अभियान परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

जनगणना के लिये तैनात प्रगणकों व सुपरवाइजर्स का दूसरे चरण का प्रशिक्षण शुरू

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर जिले में जनगणना की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। स्व-गणना शुरू हो चुकी है। साथ ही जनगणना के लिए प्रगणकों एवं सुपरवाइजर को तीन सत्र में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस क्रम में 19 अप्रैल से प्रशिक्षण का दूसरा चरण प्रारंभ हो गया, जो कि 21 अप्रैल तक चलेगा । ग्वालियर जिले में जनगणना के लिए तकरीबन 6 हजार कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेनिंग का रविवार से दूसरा सत्र प्रारंभ हो गया है। तृतीय चरण में 23 से 25 अप्रैल तक प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन तीनों चरण के माध्यम से शतप्रतिशत प्रगणक व सुपरवाइजर प्रशिक्षित होंगे। ग्वालियर जिले में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान के नेतृत्व में लगभग 6 हजार अधिकारी-कर्मचारी जनगणना-2027 के कार्य को अंजाम देंगे। इनमें लगभग 5 हजार प्रगणक व 829 पर्यवेक्षक, 41 चार्ज अधिकारी, 42 फील्ड ट्रेनर्स, 4 मास्टर ट्रेनर्स व 9 जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हैं।

स्व-गणना का लाभ उठाने की अपील, दी गई जानकारी रहेगी पूर्णतः गोपनीय

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिलेवासियों से अपील की है कि ग्वालियर जिले के नागरिकों को भी स्व-गणना का अवसर मिला है, आप सब इसका लाभ उठाकर ऑनलाइन स्व-गणना पत्रक अवश्य भरें। एसई वेब पोर्टल (http://se.census.gov.in) के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में कोई भी व्यक्ति जनगणना संबंधी 34 बिंदुओं में अपनी जानकारी स्वयं भर सकता है। कलेक्टर ने यह भी अपील की है किजनगणना के लिये आने वाले प्रगणकों को बेझिझक सही-सही जानकारी दें। आपके द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रहेगी। साथ ही ऐसा स्पष्ट प्रावधान है कि आपके द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं होगा। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना के आंकड़े कल्याणकारी योजनाओं, संसाधनों के वितरण तथा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन कार्य के लिये आधार बनते हैं।

हिंदू उत्सव समिति ने रखी पानी की टंकी, टांगे सकोरे

छतरपुर(आरएनएस)। स्थानीय मोटे के महावीर मंदिर प्रांगण में हिंदू उत्सव समिति द्वारा भगवान परशुराम के अभिषेक और विधि-विधान से पूजन के साथ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने सामाजिक अभियान बेजुबानों की प्यास बुझाने वाले पशु पक्षी पेयजल अभियान की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भगवान परशुराम की आरती के बाद सभी ने समाज सेवा के इस संकल्प में भागीदारी निभाई। समिति अध्यक्ष पवन मिश्रा ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए हर साल की भांति इस वर्ष भी समिति का पशु पक्षी पेयजल अभियान विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ शुरू किया गया है। शहर के मोटे के महावीर मंदिर प्रांगण में स्थित भगवान परशुराम की मूर्ति का वैदिक पद्धति से विद्वान ब्राह्मणों की उपस्थिति में अभिषेक और पूजन किया गया। इसके बाद पशुओं के लिए पानी की टंकी रखकर उसमें पानी भरा गया। वहीं पक्षियों के लिए जगह-जगह सकोरे टांगे गए जिससे वे आसानी से पानी पी सकें। बढ़ती गर्मी में पशु-पक्षियों को पानी उपलब्ध कराना एक बड़ा पुण्य कार्य है।

सफलता की कहानी दीनदयाल रसोई भोजन ही नहीं आत्मसम्मान भी परोसती है

ग्वालियर में दीनदयाल रसोई अब तक 59 लाख से अधिक लोगों को करा चुकी है भोजन

ग्वालियर (ए.)। कहा जाता है कि भूखे को भोजन कराना ही सबसे बड़ी सेवा है, लेकिन जब यह भोजन केवल पेट न भरे बल्कि व्यक्ति के आत्म-सम्मान को भी बढ़ाए, तो वह जन-कल्याण की असली मिसाल बन जाता है। मध्यप्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री दीनदयाल रसोई योजना ग्वालियर में पिछले 9 वर्षों से इसी संकल्प को चरितार्थ कर रही है। महज 5 रुपए में दाल, चावल, सब्जी और 5 रोटियों वाला पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंद लोगों और श्रमिकों के लिए अन्नपूर्णा की भूमिका निभा रही है। दीनदयाल रसोई में भोजन करने वाले जरूरतमंदों का कहना है कि यहां मिलने वाले भोजन की थाली सही मायने में सम्मान वाली थाली है, जिसमें हमें भोजन के साथ आत्मसम्मान भी परोसा जाता है। ग्वालियर में दीनदयाल रसोई अब तक लगभग 59 हजार से अधिक जरूरतमंदों को भोजन करा चुकी है। ग्वालियर में प्रदेश सरकार द्वारा 7 अप्रैल 2017 को मुख्य बस स्टैंड पर पहली दीनदयाल रसोई शुरू की गई थी। ग्वालियर में अब कुल 8 दीनदयाल रसोई हो गई हैं। इनमें से चार स्थायी रसोई जो मुख्य बस स्टेण्ड, राजपायगा रोड, झांसी रोड बस स्टेण्ड व इंटक मैदान में संचालित हैं। चार चलित दीनदयाल रसोई सुबह-सुबह उन चौराहों पर दस्तक देती हैं, जहां श्रमिक काम की तलाश में जुटते हैं। यह रसोई केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ऐसे हजारों श्रमिकों, गरीब परिवारों के विद्यार्थियों और मरीजों के परिजनों के लिए एक बड़ा संबल है, जो दूसरे शहरों से ग्वालियर आते हैं।

तकनीक और स्वच्छता का संगम

इस सेवा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए रसोई में आधुनिक मशीनों का उपयोग किया जाता है। प्रतिदिन सुबह 5 बजे से ही अन्न सेवा का कार्य प्रारंभ हो जाता है। आधुनिक मशीनों से प्रतिदिन औसतन 15,000 रोटियां तैयार की जाती हैं। प्रबंधन की कुशलता ऐसी है कि मेनू के अनुसार रोटियों और चावल की मात्रा तय की जाती है, ताकि भोजन की बर्बादी रत्ती भर भी न हो।

ग्राम चकचंदेवा क्षेत्र में 20 वर्षीय युवक का बाल विवाह रोका गया

दतिया (आरएनएस)। कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े के निर्देशन में जिले में बाल विवाह रोकथाम अभियान के तहत लगातार सख्त कार्यवाही जा रही है। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम चकचंदेवा थाना दुरसडा क्षेत्र में एक 20 वर्षीय युवक का विवाह रुकवाया। जिला प्रशासन को फोन के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई कि ग्राम चकचंदेवा थाना दुरसडा क्षेत्र में 20 वर्षीय युवक का बाल विवाह हो रहा है। कलेक्टर के निर्देशन पर तत्काल कार्यवाही करने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग एवं संबंधित थाने की पुलिस टीम मौके पर जांच करने हेतु पहुंची। इस दौरान महिला बाल विकास विभाग से सेक्टर पर्यवेक्षक नीलम यादव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भारती अहिरवार, स्वास्थ्य विभाग से आशा कार्यकार्ता जूली अहिरवार, पुलिस विभाग से दीवान कालीचरण कुशवाह, प्रधान आरक्षक राजेश भदौरिया तथा धरती संस्था से राम चतुर्वेदी उपस्थित हुये।

एमपी ट्रांसको सतना की पहल पर ट्रांसमिशन टावरों एवं सबस्टेशन के आसपास उत्खनन पर प्रशासन ने लगाया प्रतिबंध

सतना (आरएनएस)।मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) सतना के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस संभाग की पहल पर जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए ट्रांसमिशन टावरों तथा 220 केवी एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन सतना (सितपुरा) के आसपास किए जा रहे वैध एवं अवैध उत्खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस कदम से न केवल ट्रांसमिशन टावरों की संरचनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है, बल्कि उनके कमजोर होकर ध्वस्त होने की आशंकाओं को भी प्रभावी रूप से रोका जा सका है इसके अतिरिक्त, इस निर्णय से संभावित विद्युत व्यवधान एवं जन-धन हानि के जोखिम को टालने में भी सहायता मिली है। टावरों के नजदीक उत्खनन से उत्पन्न खतरा-सतना जिले में 220 केवी एवं 132 केवी ट्रांसमिशन टावरों के आसपास बड़े पैमाने पर मुरम एवं मिट्टी का उत्खनन किया जा रहा था, जिससे इन टावरों की स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया था। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस संभाग सतना के कार्यपालन अभियंता अमित कुमार ने मामले को प्राथमिकता के साथ उठाया। एमपी ट्रांसको द्वारा पहले तकनीकी स्तर पर टावरों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई, इसके पश्चात जिला प्रशासन को संभावित खतरों—जैसे टावरों का ध्वस्त होना, व्यापक क्षेत्र में लंबे समय तक विद्युत आपूर्ति बाधित होना एवं जन-हानि—से अवगत कराया गया। प्रशासन ने समझी मामले की गंभीरता-स्थिति की गंभीरता को समझते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की और नागौद क्षेत्र में ट्रांसमिशन टावरों के आसपास मिट्टी एवं मुरम के उत्खनन पर धारा 163 के तहत तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लागू कर दिया।

व्यापार समाचार

निर्यातकों के लिए व्यापार सुगम बनाने के लिए सरकार ने सुधारों की शुरुआत की

नई दिल्ली (ए.)। व्यापार सुगमता और निर्यातकों के लिए व्यापार सुविधा प्रदान करने की सरकार ने एक बार फिर प्रतिबद्धता दिखाई है। इस क्रम में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के अंतर्गत आने वाली मानक समितियों के कामकाज को सुदृढ़ करने हेतु लक्षित सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है। इसका उद्देश्य अग्रिम प्राधिकरण योजना के तहत प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करना, शीघ्र अनुमोदन सुनिश्चित करना और पारदर्शिता एवं पूर्वानुमानशीलता को बढ़ाना है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई है। लागू किए गए सुधारों की श्रृंखला में मानदंड समितियों (एनसी) के कामकाज में एकरूपता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी करना शामिल है। इनमें निश्चित पाक्षिक चक्र पर बैठकों का संस्थागत निर्धारण, लंबे समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता देना, समयबद्ध तरीके से बैठक के कार्यवृत्त को अंतिम रूप देना और लंबित मामलों और उनकी अवधि की व्यवस्थित निगरानी करना शामिल है। बयान में कहा गया है कि बार-बार होने वाली स्वीकृतियों को कम करने के लिए, बार-बार आने वाले मामलों की पहचान करके उन्हें मानक इनपुट-आउटपुट मानदंडों (एसआईओएन) में परिवर्तित करने के प्रयास भी किए गए हैं। संबंधित मंत्रालयों से समितियों में अतिरिक्त तकनीकी अधिकारियों को मनोनीत करने का अनुरोध किया गया है ताकि क्षेत्रीय विशेषज्ञता को बढ़ाया जा सके और सदस्यों के सीमित समूह पर निर्भरता कम की जा सके। इसके अलावा, लंबित आवेदनों के शीघ्र निपटान के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत बैठकें नियमित समय पर आयोजित की जा रही हैं और पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए मामलों को कालानुक्रमिक क्रम में निपटाया जा रहा है। क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से, विभिन्न मंत्रालयों से दस अतिरिक्त तकनीकी सदस्यों को मनोनीत किया गया है, जिससे तकनीकी प्राधिकारियों की कुल संख्या 12 से बढ़कर 22 हो गई है। इससे समितियों की अधिक संख्या में मामलों को बेहतर दक्षता के साथ संभालने की क्षमता मजबूत हुई है। सुधारों के परिणामस्वरूप बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं। जनवरी 2026 से 7 अप्रैल 2026 के बीच, मानक समितियों की कुल 38 बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें 3,925 मामलों पर विचार किया गया और 1,770 मामलों का निपटारा किया गया, बयान में कहा गया है। ये उपाय सरकार के सुगम और पूर्वानुमानित व्यापार वातावरण बनाने के एजेंडे के अनुरूप हैं, विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए। मानक निर्धारण की सुव्यवस्थित प्रक्रिया से लेनदेन लागत में कमी, प्राधिकरण की समय सीमा में कमी और भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2027 में भारत की विकास दर 6.8-7.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान

नईदिल्ली (ए.)। भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक तनाव और तेल की कीमतों के झटके के बावजूद मजबूत स्थिति में बनी हुई है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, देश इस चुनौतीपूर्ण दौर में भी स्थिर बना हुआ है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 27 के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.8 से 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। इससे साफ है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनिश्चितता के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति संतुलित बनी हुई है और इसका असर सीमित रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक आधार पर खड़ी है। वित्त वर्ष 26 में देश की ग्रोथ करीब 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो इसकी मजबूती को दर्शाता है। महंगाई दर लगभग 4.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जबकि फिस्कल डेफिसिट 4.5 से 4.6 प्रतिशत के बीच रह सकता है। इसके अलावा, बैंकिंग सेक्टर भी स्थिर बना हुआ है, जिससे अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिल रही है।

अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने की सोच रहे हैं? जानिए 24 कैरेट और 22 कैरेट गोल्ड की शुद्धता पहचानने के ये आसान तरीके

नई दिल्ली (ए.) । 'अक्षय तृतीया', जिसे 'आखा तीज' भी कहा जाता है, हिंदू और जैन धर्म में बेहद शुभ दिन माना जाता है। इस वर्ष रविवार यानी 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया पड़ रहा है। मान्यता है कि इस दिन किया गया कोई भी निवेश या शुभ कार्य कभी कम नहीं होता और लगातार बढ़ता रहता है। इसीलिए, इस दिन सोना खरीदना 'अक्षय धन' यानी कभी न खत्म होने वाली संपत्ति का संकेत माना जाता है। साथ ही, सोने को मां लक्ष्मी से भी जोड़ा जाता है, इसलिए इसे घर में लाना समृद्धि का प्रतीक समझा जाता है। सोना एक ऐसा निवेश भी है जो समय के साथ अपनी कीमत बनाए रखता है और महंगाई के खिलाफ सुरक्षा देता है। यही कारण है कि 'अक्षय तृतीया' नजदीक आते ही देश भर में सोने की खरीदारी बढ़ने लगती है। लेकिन सोना खरीदते समय इसकी असली पहचान और शुद्धता जांचना बेहद जरूरी होता है। सही जानकारी के बिना कई बार लोग सोने की जगह गोल्ड-प्लेटेड या कम शुद्धता वाला सोने का आभूषण खरीद लेते हैं। ऐसे में कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर आप सुरक्षित और समझदारी भरी खरीदारी कर सकते हैं। जानकारों के मुताबिक, सोना खरीदते समय सबसे पहले 'तीन जरूरी निशान' जरूर देखें। पहला है बीआईएस का लोगो, जो एक छोटा त्रिकोणीय निशान

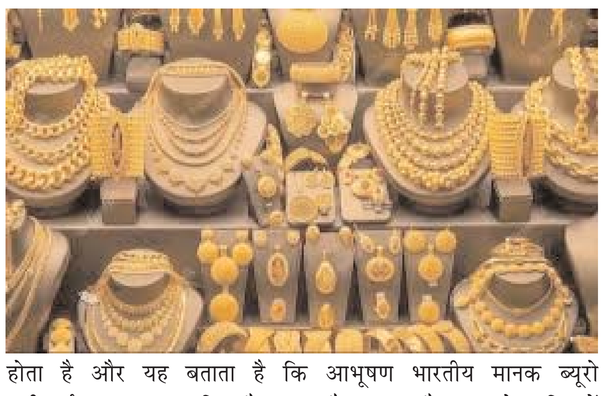

होता है और यह बताता है कि आभूषण भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा प्रमाणित है। दूसरा है शुद्धता और फाइननेस, जिसमें 22के916 का मतलब होता है कि उसमें 91.6 प्रतिशत सोना है, जबकि 18के750 का मतलब 75 प्रतिशत शुद्धता होता है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण है एचयूआईडी नंबर, जो 6 अंकों का अल्फान्यूमेरिक कोड होता है और हर ज्वेलरी के लिए यूनिक होता है। इसके साथ ही, आज के डिजिटल दौर में सोने की शुद्धता की जांच आप अपने मोबाइल से भी कर सकते हैं। इसके लिए सरकार का बीआईएस केयर ऐप डाउनलोड करें और उसमें 'वेरिफाई एचयूआईडी' ऑप्शन में ज्वेलरी पर लिखा कोड डालें। इसके बाद आपको ज्वेलर का नाम, हॉलमार्किंग सेंटर, तारीख और शुद्धता की पूरी जानकारी मिल जाएगी। अगर ऐप में दी गई जानकारी और ज्वेलर के दावे में अंतर हो, तो तुरंत सावधान हो जाएं। इसके अलावा, सोने की शुद्धता जांचने के लिए आप ज्वेलर से 'कैरेट मीटर' टेस्ट भी करवा सकते हैं। यह एक एक्सआरएफ मशीन होती है, जो बिना नुकसान पहुंचाए सोने में मौजूद धातुओं की सही जानकारी देती है। यह टेस्ट कुछ सेकंड में हो जाता है, इसलिए बिलिंग से पहले इसे अपने सामने करवाना आपका अधिकार है। इसके अलावा, एक आसान तरीका मैग्नेट टेस्ट भी है। असली सोना चुंबक से चिपकता नहीं है। अगर आपका आभूषण मैग्नेट की ओर खिंचता है, तो उसमें दूसरी धातुओं की मात्रा ज्यादा हो सकती है। जानकारों के अनुसार, सोना खरीदते समय हमेशा पक्का बिल लेना भी बेहद जरूरी है। बिल में एचयूआईडी नंबर, सोने की शुद्धता, वजन (ग्राम में), उस दिन का गोल्ड रेट, मेकिंग चार्ज और जीएसटी का पूरा विवरण होना चाहिए। यह आपकी खरीद का सबसे मजबूत प्रमाण होता है।

स्मार्टफोन्स में प्री-इंस्टॉल नहीं होगा आधार एप, भारी विरोध के बाद सरकार ने लिया यू-टर्न

नई दिल्ली, (ए.)। स्मार्टफोन यूजर्स और मोबाइल कंपनियों के लिए एक अहम खबर है। भारत सरकार ने स्मार्टफोन्स में आधार ऐप को अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करने के अपने प्रस्ताव को अब आधिकारिक तौर पर वापस लेने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि अब एप्पल, सैमसंग और अन्य स्मार्टफोन कंपनियों को भारत में बिकने वाले अपने मोबाइल फोन्स में पहले से आधार ऐप डालकर देने की कोई जरूरत नहीं होगी। दिग्गज स्मार्टफोन कंपनियों के भारी विरोध के बाद एक सरकारी संस्था ने स्पष्ट किया है कि भारत सरकार अब इस प्रस्ताव पर आगे विचार नहीं करेगी।

IT मंत्रालय ने खारिज किया IDAI का प्रस्ताव

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आधार का संचालन करने वाली सरकारी संस्था यूआईडीएआई (IDAI) ने इसी साल जनवरी में आईटी मंत्रालय से संपर्क साधा था। यूआईडीएआई ने मंत्रालय से एप्पल, गूगल और अन्य प्रमुख स्मार्टफोन निर्माताओं के साथ बातचीत कर आधार ऐप को फोन में प्री-इंस्टॉल करना अनिवार्य बनाने की मांग की थी। हालांकि, अब IDAI ने अपने एक बयान में स्पष्ट कर दिया है कि आईटी मंत्रालय ने इस प्रस्ताव की गहन समीक्षा की है और वह स्मार्टफोन पर इस ऐप को पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य बनाने के पक्ष में बिल्कुल नहीं है। गौरतलब है कि देश के करीब 1.34 अरब लोगों के पास 12 अंकों का यह यूनिक आइडेंटिटी नंबर है, जिसका इस्तेमाल बैंकिंग से लेकर एयरपोर्ट पर फास्ट एंट्री तक में किया जाता है।

दो साल में छठी बार सरकार का प्रयास हुआ फेल

यह कोई पहला मौका नहीं है जब सरकार ने मोबाइल फोन में किसी सरकारी ऐप को अनिवार्य करने की कोशिश की हो। जानकारी के अनुसार, पिछले दो सालों में यह छठा मौका था जब सरकार की ओर से फोन पर किसी सरकारी ऐप को पहले से इंस्टॉल करने की मांग उठाई गई थी। हालांकि, मोबाइल कंपनियों ने एकजुट होकर सरकार के इन सभी छह प्रयासों का कड़ा विरोध किया है। IDAI का कहना है कि आईटी मंत्रालय ने इस आधार प्री-इंस्टॉलेशन प्रस्ताव को पूरी तरह से रद्द करने का अंतिम फैसला लेने से पहले इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के सभी प्रमुख स्टेकहोल्डर्स के साथ विस्तार से परामर्श किया था।

पीएफ कटने की सैलरी लिमिट बढ़कर होगी 30 हजार रुपये, सरकार करने जा रही है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (ए.)। प्राइवेट नौकरी करने वाले लाखों कर्मचारियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आ रही है। केंद्र सरकार जल्द ही प्रोविडेंट फंड (PF) कवरेज के लिए तय की गई बेसिक सैलरी लिमिट को भारी मार्जिन से बढ़ाने पर विचार कर रही है। मौजूदा समय में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के तहत अनिवार्य पीएफ कटौती के लिए वेतन सीमा 15,000 रुपये प्रति माह तय है, जिसे अब बढ़ाकर 25,000 से 30,000 रुपये तक किया जा सकता है। श्रम और रोजगार मंत्रालय में इस लंबे समय से लटके प्रस्ताव पर अब तेजी से काम शुरू हो गया है, जिससे आने वाले समय में देश के एक बड़े वर्कफोर्स को रिटायरमेंट फंड और सामाजिक सुरक्षा का सीधा लाभ मिल सकेगा।

क्यों पड़ी इस बड़े बदलाव की जरूरत ?

पीएफ लिमिट बढ़ाने के इस बड़े फैसले पर पुनर्विचार की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि हाल के दिनों में, खासकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में, औद्योगिक और प्राइवेट कर्मचारियों के वेतन में अच्छी खासी बढ़ोतरी देखी गई है। इस सैलरी हाइक के कारण कई कुशल कर्मचारी 15,000 रुपये की सीमा को पार कर गए हैं और तकनीकी रूप से अनिवार्य ईपीएफओ कवरेज के दायरे से बाहर होने के खतरे का सामना कर रहे हैं। सरकार का मानना है कि अगर समय रहते यह लिमिट नहीं बढ़ाई गई, तो 'यूनिवर्सल सोशल सिक्योरिटी' यानी सभी को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का लक्ष्य अधूरा रह जाएगा।

ईएसआईसी (ESIC) की लिमिट भी बढ़ाने की है तैयारी

ईपीएफओ के साथ-साथ सरकार कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) के तहत भी वेतन सीमा को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। फिलहाल ईएसआईसी के तहत वेतन सीमा 21,000 रुपये प्रति माह है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

प्रगति का लंबा रास्ता

साल 1990 में भारत में औसतन हर एक लाख शिशु जन्म के दौरान 508 माताओं की मौत होती थी। ये संख्या 2023 में 116 तक आ गिरी। फिर भी भारत वैश्विक स्तर पर कम विकसित देशों की श्रेणी में ही आता है। मातृत्व मृत्यु दर की अवस्था (शिशु को जन्म देने के क्रम में माताओं की होने वाली मौतें) सामाजिक विकास का एक प्रमुख पैमाना है। बीते साढ़े तीन दशक में भारत ने इस कसौटी पर अच्छी प्रगति की है। लेकिन 2015 के बाद से प्रगति की रफ्तार धीमी पड़ती जा रही है। मशहूर ब्रिटिश मेडिकल जर्नल लांसेट ने एक ताजा अध्ययन रिपोर्ट में बताया है कि साल से 2000 से 2015 की अवधि सबसे तेज प्रगति की रही, जब अस्पताल/ क्लीनिक में प्रसव, प्रसव-पूर्व देखभाल में सुधार, और आम तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार के कारण मातृत्व मृत्यु दर में बड़ी गिरावट आई। लेकिन 2015 से 2023 की अवधि में ये रफ्तार सुस्त हो गई है। अध्ययनकर्ताओं ने कहा है कि ये परिघटना उन व्यवस्थागत चुनौतियों की ओर इशारा करती है, जिनका हल ढूंढना कठिन बना हुआ है। प्रसव के दौरान अधिक खून बहना, हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी दिक्कतें, और आम देखभाल में कमी गर्भवस्था या डिलिवरी के दौरान माताओं की मौत की बड़ी वजहें बनी हुई हैं। ये वो कारण हैं, जिन्हें दूर किया जा सकता है, मगर उसके लिए लक्ष्य केंद्रित सार्वजनिक पहल की जरूरत है। संभवतः इसमें कमी के कारण ही 2023 में भारत में 24,700 महिलाओं की मौत मां बनने के क्रम में हो गई। 1990 में ये संख्या 1.19 लाख और 2015 में 36,900 थी। जाहिर है, प्रगति का क्रम बना हुआ है, मगर वार्षिक प्रगति की रफ्तार धीमी हुई है। 1990 में भारत में औसतन हर एक लाख शिशु जन्म के क्रम में 508 माताओं की मौत होती थी। ये संख्या 2023 में 116 तक आ गिरी। इसके बावजूद यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस दर के साथ भारत वैश्विक स्तर पर नाईजीरिया, इथोपिया और पाकिस्तान जैसे कम विकसित देशों की श्रेणी में आता है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के तहत प्रति एक लाख जन्म पर मातृत्व मृत्यु दर को 70 के नीचे लाने का लक्ष्य रखा गया है। यानी भारत को अभी भी प्रगति का लंबा रास्ता तय करना है। अतः जरूरी है कि इसकी रफ्तार धीमी ना होने दी जाए।

नफरत की राजनीति का नया हथियार : पालतू सूअर

दिल्ली के त्रिनगर के निवासी कुछ हिन्दू परिवारों ने पूजा-अर्चना का एक नया तरीका ईजाद किया है। इसका एक लाभ यह है कि इससे उनके मुसलमान पड़ोसी परेशान और दुखी होते हैं।

इस इलाके के कुछ परिवार इन दिनों अपने घरों में सुअरों को पिंजरों में रखते हैं और बाहरी दीवारों पर गहने पहने हुए सूअर जैसे चेहरे वाले देवता के पोस्टर लगाते है। यह मुस्लिम बसाहटों के नजदीक स्थित बस्तियों में हो रहा है। पिंजरों में कैद सूअरों का अब्दुल या रहमान या ऐसा ही कोई नाम रखा जाता है और जब भी कोई मुस्लिम वहां से निकलता है तो जोर-जोर से उन्हें इन नामों से पुकारा जाता है। इसके साथ ही रहती है सजी-धजी, आभूषणों से सुसज्जित भगवान वराह की तस्वीर, जिन्हें विष्णु का तीसरा अवतार माना जाता है। कुछ लोगों का कहना है कि यह चलन एक साल पहले शुरू हुआ। वहीं कुछ कहते हैं कि यह सिलसिला कुछ ही महीनों पुराना है। मुसलमानों की सूअरों के प्रति नापसंदगी जानी-मानी है। जाहिर है कि यह मुसलमानों को भड़काने का एक नया तरीका है। इस तरह की चालें अक्सर समुदायों के बीच नफरत की दीवारें खड़ी करने के लिए चली जाती हैं।

हमें यह पता नहीं है कि किस उर्वर और नफरत से भरे दिमाग मे यह तरकीब खोजी और ना ही हमें यह पता है कि यह सब केवल दिल्ली की एक बस्ती तक सीमित है या और कही भी यह हो रहा है। लेकिन इस बात का पूरा-पूरा खतरा है कि समाज को बांटने वाले इस ताजे औजार का नए-नए इलाकों में इस्तेमाल किया जाएगा और यह नफरत और उसके ज़रिये हिंसा फैलाने वालों के शस्त्रागार में एक नए हथियार के रूप में शामिल हो जाएगा।

नए भारत की एमएसएमई क्रांति के केंद्र में है नारी शक्ति

शोभा करंदलाजे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम का सितंबर 2023 में संसद में समर्थन करते हुए विश्वास व्यक्त किया था कि भारत तभी आगे बढ़ सकता जब देश की नारियां भी इसके साथ ही उन्नति करें। उनका यह विश्वास एमएसएमई क्षेत्र (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) में सरकार के काम में हर रोज दिखाई देता है।

एमएसएमई क्षेत्र को अक्सर भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। लेकिन अगर गहराई से देखें तो इसके दिल में महिला उद्यमियों का मूक बल बसता है। आखिरकार आज इस मूक बल को वह राष्ट्रीय मान्यता, संस्थागत समर्थन और नीतिगत गति मिल रही है जिसका वह हमेशा से हकदार है।

आँकड़े बयां करते हैं कहानी

भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम में महिलाओं की भागीदारी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। 2026 की शुरुआत तक, उद्यम पंजीकरण पोर्टल और उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म पर 3.11 करोड़ से अधिक महिला-नेतृत्व वाले उद्यम पंजीकृत हुए हैं। वास्तव में, उद्यम और उद्यम असिस्ट पंजीकरण के अनुसार, देश के कुल पंजीकृत एमएसएमई में महिला-स्वामित्व वाले उद्यमों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है और ये रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महिला उद्यमियों के लिए सबसे प्रभावशाली सुधारों में से एक उद्यम पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना है। पूरी तरह से ऑनलाइन, कागज रहित और स्व-घोषणा पर आधारित इस व्यवस्था ने उस नौकरशाही बाधा को समाप्त कर दिया, जो महिलाओं के लिए एक बड़ी रुकावट बनी हुई थी। जनवरी 2023 में शुरू किए गए उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म ने अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत उन महिलाओं तक पहुँच बनाकर इस दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया, जिनके पास 'पैन' नंबर या जीएसटीएन नहीं था। इसने उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र में दिए जाने वाले ऋण और सरकारी योजनाओं के लाभों के दायरे में लाने का काम किया। सरकार ने महिलाओं को विकास वाहक के रूप में अपने आर्थिक एजेंडे के केंद्र में रखने का निर्णय लिया है।

आर्थिक शक्ति के रूप में नारी शक्ति

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार इस बात पर ज़ोर दिया है कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय रणनीति है। उन्होंने ही कहा था कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार सशक्त होते हैं और जब परिवार सशक्त होते हैं, तो राष्ट्र निरंतर मज़बूत होता जाता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम राजनीतिक क्षेत्र में इस दर्शन की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। लेकिन आर्थिक क्षेत्र में, विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र में महिलाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता एक व्यापक और बहुआयामी नीतिगत ढांचे के रूप में सामने आई है, जो ऋण, कौशल, बाज़ार तक पहुंच, पहचान और गरिमा जैसे पहलुओं को समाहित करती है।

महिलाओं के लिए तैयार की गई एक नीतिगत संरचना

एमएसएमई मंत्रालय ने अपने हर बड़े कार्यक्रम और योजना में महिलाओं के सशक्तिकरण को व्यवस्थित रूप से शामिल किया है। ये सभी मिलकर, आपूर्ति पक्ष पर आठ मुख्य श्रेणियों के माध्यम से उद्यमियों को सहायता प्रदान करते हैं: तकनीक तक पहुँच, ऋण और वित्त तक पहुँच, डिजिटलीकरण को बढ़ावा, अवसरंचना सहायता, औपचारिकीकरण और समावेशन, बाज़ार तक पहुँच, और उद्योग-स्तरीय कौशल विकास।

पिछले पाँच वर्षों में, प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 3.2 लाख से ज़्यादा महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को सहायता दी गई है। हाल के आँकड़ों के अनुसार, पीएमईजीपी के कुल लाभार्थियों में से 39न्न महिलाएँ हैं जो इस योजना की रूपरेखा और महिलाओं की कुछ कर दिखाने की ललक, दोनों को दर्शाता है।

सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट महिला ऋणदाताओं को 90 प्रतिशत तक का बढ़ा हुआ गारंटी कवर प्रदान करता है। इससे बैंक बिना कुछ गिरवी रखे महिलाओं को ऋण देने के लिए तैयार हैं। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक खरीद नीति में संशोधन कर यह अनिवार्य किया गया कि केंद्रीय मंत्रालय, विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अपनी वार्षिक खरीद का कम से कम 3 प्रतिशत हिस्सा महिला-स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से ही खरीदें। इससे महिला उद्यमियों के लिए एक सुनिश्चित और अनुमानित बाज़ार तैयार होता है, जिससे सरकारी खर्च को महिलाओं के व्यवसाय की वृद्धि में बदला जा रहा है। यह देखकर खुशी होती है कि वित्त वर्ष 2025-26 में, केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों/केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा की गई कुल खरीद का 3.5 प्रतिशत हिस्सा महिला एमएसएमई से ही खरीदा गया था। जेडइडी (जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट) प्रमाणन योजना के तहत, महिला-स्वामित्व वाले एमएसएमई को प्रमाणन शुल्क पर सौ प्रतिशत सब्सिडी मिलती है। ये विस्तृत विवरण काफी महत्वपूर्ण हैं और ये मंत्रालय के प्रयासों को दर्शाते हैं। मंत्रालय ने इस बारे में गहराई से विचार किया है कि महिलाओं को कहाँ कहाँ बाधाओं का सामना करना पड़ता है और ठीक उन्हीं बाधाओं को दूर करने के लक्ष्य के साथ सहायता दी गई।

पूरी दुनिया की ईसाइयत यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप के नीतियों से सहमत नहीं! ईरान अमेरिका वार्ता एक बार फिर होगी

अजय दीक्षित

ईसाइयों के सर्वोच्चता धर्म गुरु बेटीकैन सिटी के पॉप लियो ने ईरान युद्ध को मानवता के लिए खतरा बताया है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की युद्ध नीति की आलोचना की ,साथ में उन्होंने इसराइल द्वारा चलाए जा रहे लेबनान, गाजा जन संहार पर भी चिंता व्यक्त की । पॉप लियो ने कहा कि गाजा, लेबनान, ईरान में बच्चे मारे जा रहे हैं और इसे किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता है। पॉप लियो ने अमेरिकन जनता और कांग्रेस से अपील की है कि वह युद्ध रोकने के लिए अभियान शुरू करे। पॉप ने डॉनल्ड ट्रंप को बीमार व्यक्ति बताया है। पॉप लियो के इस कथन से यूरोपीय देशों फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटिश, इटली, हंगरी, सन्नाटा छा गया है। उल्लेखनीय है कि ईरान युद्ध में अमेरिका के कहने के बाबजूद फ्रांस, जर्मनी,स्पेन,ब्रिटिश, ने शामिल होने से इनकार कर दिया है। यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप चारों ओर से घिर गए हैं। डेमोक्रेट पार्टी ने नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों में की योजना बनाई है। रिपब्लिक पार्टी अगर हार सकती है तो डॉनल्ड ट्रंप के खिलाफ कांग्रेस में महाभियोग चलाया जा सकता है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रो ने डॉनल्ड ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा है कि गाजा में बच्चों की हत्या, अस्पतालों, स्कूलों को मिशाइल, ड्रोन, बैलेस्टिक मिशाइल, से हमला करना मानवता के खिलाफ अपराध है । दूसरी ओर चाइना ने अमेरिका के कान के कीड़े झाड़ दिए हैं।

उसने हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र में से अपना 3 लाख बैरल तेल लदा जहाज निकाल कर और वह भी ईरान के बंदरगाह से, अमेरिका के हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र को नाका बंदी अभियान की हवा निकालदी है। ज्ञातव्य हो कि अमेरिका ने ईरान से आने वाले जहाजों को रोकने या उठा देने की घोषणा की थी।

लेकिन चाइना ने इस तकियानुशी आदेश को मानने से मना कर दिया था और कहा था कि 90 फीसदी जरूरत का तेल, गैस वह ईरान से लेता है।यह उसका अनुबंध है और इसलिए अमेरिका इसे नहीं रोक सकता है। उधर रूस के विदेश लावरोब अचानक रूस पहुंचे और नई दिशा में बात की । लावारोब ने कहा कि यूरोपीय देश अमेरिका पर दबाब बनाए ताकि यूरोपीय देशों का तेल गैस भी निकल सके। सूत्रों की माने तो अमेरिका पर विशेषकर डॉनल्ड ट्रंप पर विश्व बिरादरी का प्रेसर है कि ईरान युद्ध किसी भी कीमत पर बंद हो ना चाहिएं। यूएस वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस, तुलसी गैबार्ड, रक्षा मंत्री, रोबियो, सब इस युद्ध के खिलाफ है और वे इसराइल को दोषी मानते हैं क्योंकि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। दूसरी ओर रूस के विदेश मंत्री लाबाराब ने सऊदी क्रॉन प्रिंस बिन सलमान से भी कहा है कि युद्ध सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, कतर, बहरीन,के लिए भी मुश्किल पैदा करेगा । जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान अमेरिका वार्ता एक बार पुनः जल्दी ही हो सकती है। वैन्यू इस्लामाबाद या जिनेवा में होगा । हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र में 800 से अधिक मालवाहक शिप फंसे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने 40 मिनिट की बात की है। हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र बंद होने से लगभग 45 देशों में तेल टैंकरों, गैस का का संकट आ गया है।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। आज घरेलू काम पूरा करने में आपको घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज सहपाठी अपनी कुछ पर्सनल बातें आपसे शेयर कर सकता है। आप दोस्त की मदद के लिये हमेशा तैयार रहेंगे। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

वृषभ राशि: आज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। शुरुआत में आपको लगेगा कि आपके काम पूरे हो रहे हैं, लेकिन शाम होते-होते काम रुक सकता है। आज जरूरी काम करने से पहले घर के बड़ों या किसी अनुभवी व्यक्ति से विचार विमर्श अवश्य करें। माता-पिता के आशीर्वाद से आज सभी बाधाओं को दूर करने में आप सक्षम रहेंगे।

मिथुन राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। जो छात्र 12वीं के बाद कॉलेज में एडमिशन लेने की सोच रहे हैं उनके लिये आज का दिन अच्छा है। साथ ही जो छात्र हॉयर एजुकेशन के लिये विदेश जाना चाहते हैं, वे किसी से इस बारे में राय ले सकते हैं। आज रुपये पैसों की लेन-देन में आपको थोड़ी सावधानी रखने की जरूरत है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला आपको कुछ जरूरी कामों में दोस्तों की मदद मिलेगी। कई दिनों से अटका हुआ पैसा आपको वापस मिल सकता है, आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन उत्तम है, पहले दी गई किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी।

सिंह राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है। आने वाले समय में वह आपके लिये बहुत ही उपयोगी साबित होगा। जो लोग टूर एंड ट्रैवल के बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन अच्छा रहने वाला है।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको मन मुताबिक फल मिलेंगे। अगर आप अपने बिजनेस को किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट करना चाह रहे हैं, तो एक बार जगह अच्छे से देख लें। नौकरी करने वाली महिलाओं के लिये भी दिन बढ़िया रहेगा, बॉस और अन्य सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे।

तुला राशि: आज आपका दिन बहुत शानदार रहने वाला है। आज आपके कार्य जरूर सफल रहेंगे। जो लोग लंबे समय से अपनी कन्या के लिये वर की तलाश कर रहे हैं, उनकी तलाश आज पूरी हो सकती है। कन्या के लिये आपको सुयोग्य वर मिलने के योग हैं।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आपके मन में नये-नये विचार आयेंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उनके लिये दिन बहुत-सी तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आपकी पार्टी आपको बड़ा पद भी दे सकती है। जनता के बीच आपका मान सम्मान भी बढ़ेगा।

धनु राशि: आज आपका दिन शुभ फलदायक रहेगा। कला और साहित्य से जुड़े लोगों को आज प्रसिद्धि मिलेगी। आपको किसी बड़े ग्रुप से जुड़ने का मौका मिलेगा। आज ज्यादा से ज्यादा समय आप अपने घर वालों के साथ बितायेंगे। आप सबके साथ कहीं घूमने जाने का प्लान भी बना सकते हैं। आज धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी।

मकर राशि: आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज स्वास्थ्य पर ध्यान देने की भी जरूरत है। किसी भी तरह की लापरवाही करने से आपको बचना चाहिए।

कुंभ राशि: आज दिन आपके लिए सम्मानजनक रहेगा। आज घर और बाहर हर जगह आपकी तारीफ होगी, हर व्यक्ति आपके अच्छे व्यवहार से प्रभावित होगा। आज समाज से जुड़े कार्यों को करने के लिये दिन उत्तम है। आप किसी एनजीओ की शुरुआत या किसी सामाजिक संगठन से जुड़ सकते हैं। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था में बढ़ोतरी होगी। आज आप अपने कार्यों में जल्दबाजी करने से बचें।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। परिवार में सभी के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे। घरेलू कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज जिन विद्यार्थियों का कंप्यूटर साइंस का एग्जाम है, उनकी सफलता सुनिश्चित होगी। किसी नए प्रोजेक्ट में मित्रों की सलाह लेना लाभदायक रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाने की योजना बनायेंगे। शाम को अपने बच्चों के साथ बेहतर टाइम स्पेंड करेंगे। पैसों के मामले में कुछ लोग बेहद मददगार साबित होंगे।

बदलता मतदाता, बदलती राजनीति- लोकतांत्रिक संघर्ष, नीतिगत अनिश्चितता व जनता क़ा मनोविज्ञान

-16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम का समग्र वैश्विक विश्लेषण

आज का नागरिक व मतदाता सरकार के कार्यों का मूल्यांकन, उनके पीछे की नीतिगत मंशा, समय - निर्धारण और प्रक्रियागत पारदर्शिता पर भी प्रश्न उठाता है?

जनता अब केवल क्या हुआ पर नहीं,बल्कि कैसे और क्यों हुआ पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, यही बदलती सोच राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता के लिए एक नई चुनौती बनती जा रही है

वैश्विक स्तरपर डिजिटल युग में भारतीय मतदाता का व्यवहार अब केवल भावनात्मक या परंपरागत नहीं रह गया है, बल्कि अत्यंत विश्लेषणात्मक और परिणाम- आधारित हो चुका है।आज का नागरिक न केवल सरकार के कार्यों का मूल्यांकन करता है,बल्कि उनके पीछे की नीतिगत मंशा,समय-निर्धारण और प्रक्रियागत पारदर्शिता पर भी प्रश्न उठाता है।यही कारण है कि यदि कोई सरकार दस अच्छे काम करती है और एक निर्णय जनता की अपेक्षाओं के विपरीत जाता है, तो उस एक निर्णय का प्रभाव शेष उपलब्धियों पर भारी पड़ सकता है।16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी नई राजनीतिक चेतना को उजागर किया है,जहाँ जनता केवल परिणाम नहीं बल्कि प्रक्रिया की वैधताऔर पारदर्शिता को भी परख रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि 16-17 अप्रैल 2026 के दो दिन भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज हो गए।एक ओर नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 जिसपर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होकर पहले अधिनियम बन चुका था उसको 16 अप्रैल 2026 कोआधी रात में लागू करने की अधिसूचना जारी की गई,वहीं दूसरी ओर संसदीय प्रक्रिया के तहत रूल 66 को निलंबित कर तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को एक साथ जोड़कर पारित करने का प्रयास किया गया।लोकसभा में कुल 528 सांसदों ने मतदान किया, जिसमें पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े, लेकिन दो- तिहाई बहुमत की

आवश्यकता के कारण यह विधेयक 54 मतों से गिर गया। यह केवल एक विधायी असफलता नहीं थी,बल्कि यह राजनीतिक रणनीति,संवैधानिक प्रक्रिया और वैचारिक मतभेदों के बीच गहरे संघर्ष का प्रतीक बन गया।

साथियों बात अगर हम जनता के मन में उठते सवाल- पारदर्शिता बनाम राजनीतिक रणनीति को समझने की करें तो, इस घटनाक्रम के बाद जनता के मन में कई महत्वपूर्ण प्रश्न उभर कर सामने आए। यदि 2023 में ही राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल चुकी थी,तो इसे तत्काल लागू क्यों नहीं किया गया? महिला आरक्षण के मुद्दे पर जब पूरे विपक्ष की व्यापक सहमति थी,तो उसे परिसीमन और सीटों की संख्या बढ़ाने जैसे विवादित मुद्दों के साथ क्यों जोड़ा गया इन प्रश्नों ने यह संकेत दिया कि जनता अब केवल क्या हुआ पर नहीं, बल्कि कैसे और क्यों हुआ पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। यही बदलती सोच राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता के लिए एक सटीक रूप से नई चुनौती बनती जा रही है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत क़ी आर्थिक प्रतिष्ठा और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टि- नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है।इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफ़ाइल (रिस्क परसेंप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फेलोज)पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है।शेयर बाजार की मनोविज्ञान- अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है,शेयर बाजार मूलतः अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं,तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है। विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में बहुत तेजी से गिरावट तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक निर्णयों की विश्वसनीयता पर प्रश्न इसको समझने की करें तो सरकार द्वारा आधी रात में अधिनियम लागू करना, संसदीय नियमों को निलंबित करना और कई विधेयकों को एक साथ जोड़ना ये सभी कदम विपक्ष के लिए सीमित विकल्प छोड़ते हैं।

हालांकि यह रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रभावी हो सकता है,लेकिन इससे सरकार की नीतिगत पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न भी लग सकता है? वैश्विक निवेशक ऐसे संकेतों को नीतिगत जोखिम (पॉलिसी रिस्क) के रूप में देखते हैं,जो दीर्घकालिक निवेश निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

3000 सैनिक, 5 युद्धपोत और 10 विमान होंगे तैनात भारत-रूस के बीच लागू हुआ समझौता

नई दिल्ली/मॉस्को, (आरएनएस)। भारत और रूस ने फरवरी 2025 में एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता जनवरी 2026 से लागू हो गया है। जिसके तहत दोनों देश अब एक-दूसरे के इलाके में 3,000 सैनिक और सीमित संख्या में नौसैनिक जहाज और विमान तैनात कर सकते हैं। रूस की आधिकारिक कानूनी सूचना पोर्टल ने इसकी जानकारी दी है। रूसी संसद ने दिसंबर 2025 में इस समझौते को मंजूरी दी थी। इस समझौते का पूरा नाम इंडो-रूसी रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स सपोर्ट (RELOS) है। इसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के क्षेत्र में अधिकतम 5 युद्धपोत, 10 सैन्य विमान और 3000 सैनिक एक साथ तैनात कर सकते हैं। यह सुविधा शुरू में 5 वर्षों के लिए होगी, जिसे दोनों पक्षों की सहमति से आगे 5 वर्ष और बढ़ाया जा सकता है। रूसी संसद की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के प्रथम उपाध्यक्ष व्याचेस्लाव निकोनोव ने राज्य ड्यूमा में इसकी पुष्टि की। यह समझौता दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सैन्य सहयोग को और मजबूत करेगा। खासतौर पर भारत के रूसी मूल के सैन्य उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए यह बेहद उपयोगी साबित होगा। इससे लंबी अवधि की सैन्य तैनाती भी आसान हो जाएगी। भारत-रूस

पारस्परिक लॉजिस्टिक्स विनिमय समझौता (RELOS) समझौते में संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण और मानवीय मिशन भी शामिल हैं। RELOS समझौता का पश्चिम एशिया संघर्ष और यूक्रेन युद्ध के बीच गहरा महत्व है, न केवल सैन्य कर्मियों और उपकरणों की तैनाती को नियंत्रित करता है, बल्कि लॉजिस्टिक्स (साजो-सामान) का प्रबंधन भी करता है।

लॉजिस्टिक्स के आदान-प्रदान में प्राप्तकर्ता देश द्वारा प्रदान की जाने वाली कई विशिष्ट सेवाएं शामिल हैं। युद्धपोतों के लिए, इसमें बंदरगाह और मरम्मत सेवाएं, साथ ही पानी, भोजन, तकनीकी संसाधन और अन्य आपूर्तियों की डिलीवरी शामिल है।

सैन्य विमानों के मामले में हवाई यातायात नियंत्रण, वैमानिकी डेटा, उड़ान अनुरोधों की प्रोसेसिंग, सैन्य नेविगेशन प्रणालियों का उपयोग, और विमान की पार्किंग व सुरक्षा शामिल है। विमानन ईंधन, स्नेहक और विशेष तरल पदार्थ, साथ ही खराब हुए उपकरणों की मरम्मत, प्रतिपूर्ति के आधार पर उपलब्ध कराए जाते हैं। यह समझौता जहाजों, विमानों और कर्मियों की सहायता के लिए सैन्य सुविधाओं, जिसमें हवाई अड्डे और बंदरगाह शामिल हैं, तक पारस्परिक पहुंच की अनुमति देता है। यह भारत को रूसी नौसैनिक और हवाई अड्डों तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें आर्कटिक क्षेत्र भी शामिल है, और रूस को भारतीय सुविधाओं तक व्यापक पहुंच की अनुमति देता है। यह समझौता विशेष रूप से सैन्य टुकड़ियों की तैनाती को कवर करता है, जिससे संयुक्त प्रशिक्षण, आपदा राहत और संयुक्त अभियानों की अनुमति मिलती है।

शादी से लौट रहे 3 युवकों की सड़क हादसे में मौत, गांव में पसरा मातम

आलीराजपुर,(आरएनएस)। जिले के बोरी गांव में देर रात भीषण सड़क हादसे में शादी समारोह से लौट रहे तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा घर से महज 100 मीटर की दूरी पर हुआ। खुशियों से भरी रात कुछ ही पलों में चीख-पुकार और मातम में बदल गई। दरअसल रात करीब 2 बजे तीनों युवक बाइक से शादी से लौट रहे थे, जैसे ही वे गांव के पास पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रोशन (17 वर्ष), अनिल (14 वर्ष) और सावन (15 वर्ष) ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की खबर लगते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया। तीनों युवक अलग-अलग परिवारों से लेकिन दोस्त थे। शादी समारोह में शामिल होने के बाद वे साथ ही लौट रहे थे। यह उनकी आखिरी सफर साबित हो गई।

सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने की तैयारी में विपक्ष, संसद में ला सकता है नोटिस

नईदिल्ली, (आरएनएस)। महिला आरक्षण विधेयक पर संसद में मिली जीत के बाद विपक्ष अब मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में है। विपक्ष एक बार फिर उन्हें पद से हटाने के लिए संसद में नया नोटिस लाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विपक्षी इंडिया गठबंधन की पार्टियां इस पर मंथन कर रही हैं और नए मसौदे पर काम शुरू हो चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के कम से कम 5 सांसद नए नोटिस का मसौदा तैयार करने में जुटे हैं। सूत्रों ने बताया कि अभी तक यह तय नहीं हुआ है कि नोटिस किस सदन में पेश किया जाएगा। विपक्षी नेता नोटिस पर ज्यादा से ज्यादा सांसदों के हस्ताक्षर सुनिश्चित करने का लक्ष्य रख रहे हैं। कम से कम 200 सांसद जुटाने की कोशिश हो रही है। पिछले महीने विपक्ष ने ज्ञानेश को हटाने के लिए लोकसभा और राज्यसभा दोनों में नोटिस दिया था। 6 अप्रैल को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नोटिस खारिज कर दिया था। इस नोटिस पर लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 विपक्षी सांसदों ने हस्ताक्षर किए थे। नोटिस में ज्ञानेश पर सरकार के इशारों पर काम करने समेत कई आरोप लगाए गए थे।

गुजरात में साली की सगाई को लेकर विवाद में दामाद ने सास को जिंदा जलाया, मौत

सूरत, (आरएनएस)। गुजरात के सूरत शहर के पांडेसरा इलाके में पारिवारिक विवाद ने खूनी स्वरूप लिया. साली की सगाई को लेकर चल रहे विवाद से गुस्साए दामाद ने सास पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर उसे जिंदा जला दिया. इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. बुरी तरह जली बुजुर्ग सास को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया. हालांकि इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया. इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में पता चला है कि यह घटना किसी अचानक हुए झगड़े का नतीजा नहीं थी, बल्कि पहले से रची गई साजिश थी. 15 अप्रैल, 2026 की सुबह, जब मृतक रत्नाबेन सोनवणे अपने घर के बाहर बैठी थी, तभी उनका दामाद मनोहर महाजन एक प्लास्टिक की बोतल में पेट्रोल या केमिकल जैसा ज्वलनशील पदार्थ और जलती हुई लकड़ी लेकर वहां पहुंचा. रत्नाबेन कुछ सोच-समझ पाती उससे पहले ही दामाद मनोहर महाजन ने सास पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़क कर जलती हुई लकड़ी से आग लगा दी. रत्नाबेन की चीख-पुकार सुनकर हरीश नामक एक युवक उन्हें बचाने के लिए बीच में आया लेकिन, हैवानियत की हद पार कर चुके मनोहर ने उसे भी जलाने की एवं जानलेवा कोशिश की. किस्मत से हरीश बच गया, लेकिन रत्नाबेन बुरी तरह जल गई। घटना के बाद आरोपी मनोहर पुलिस को चकमा देकर महाराष्ट्र के शिरडी भाग गया. वहीं आरोपी को पकड़ने के लिये सूरत की पांडेसरा पुलीस तेजी से कार्रवाई में जुटी और अलग-अलग पुलिस की टीमों ने काम करना शुरू कर दिया. पुलिस टेक्निकल सर्विलांस के जरिए उस पर नजर रख रही थी. जैसे ही मनोहर को पता चला कि उसकी सास की मौत हो गई है, वह सूरत लौट आया. भेस्तान इलाके में नजर रख रही पुलिस ने उसे दबोच लिया। एसीपी जेआर देसाई ने कहा, आरोपी मनोहर महाजन मजदूरी करने वाला एक श्रमिक है. पहले आरोपी के विरूद्ध हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया गया था, लेकिन रत्नाबेन की मौत के बाद हत्या के तहत केस दर्ज किया गया. यह पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है कि ज्वलनशील लिक्विड कहाँ से लाया गया था.

डिजिटल रिंग से की जाएगी दिल्ली की निगरानी, अब हर एंट्री पॉइंट पर होगी रियल-टाइम ट्रैकिंग

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में आने-जाने वाले वाहनों की निगरानी व्यवस्था अब पूरी तरह बदलने जा रही है। भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के प्रमुख एंट्री पॉइंट्स पर व्हीकल मॉनिटरिंग, एनफोर्समेंट एंड कलेक्शन सिस्टम (वीएमईसीएस) लागू करने करने जा रही है। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इस सिस्टम के लागू होने के बाद दिल्ली के चारों ओर एक तरह का डिजिटल रिंग बन जाएगा, जहां हर वाहन की रियल-टाइम ट्रैकिंग संभव होगी और नियम उल्लंघन की स्थिति में अपने-आप चालान जारी होगा। नई व्यवस्था खास तौर पर ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से दिल्ली में प्रवेश करने वाले मार्गों पर लागू की जाएगी, जहां मौजूदा समय में भारी संख्या में वाहन बिना किसी केंद्रीकृत निगरानी के प्रवेश करते हैं। यह परियोजना मौजूदा मार्गों पर हाईटेक निगरानी व्यवस्था स्थापित करने की है। जिन सड़कों पर अभी तक सामान्य यातायात व्यवस्था संचालित थी, वहीं अब डिजिटल निगरानी का एकीकृत ढांचा विकसित किया जाएगा।

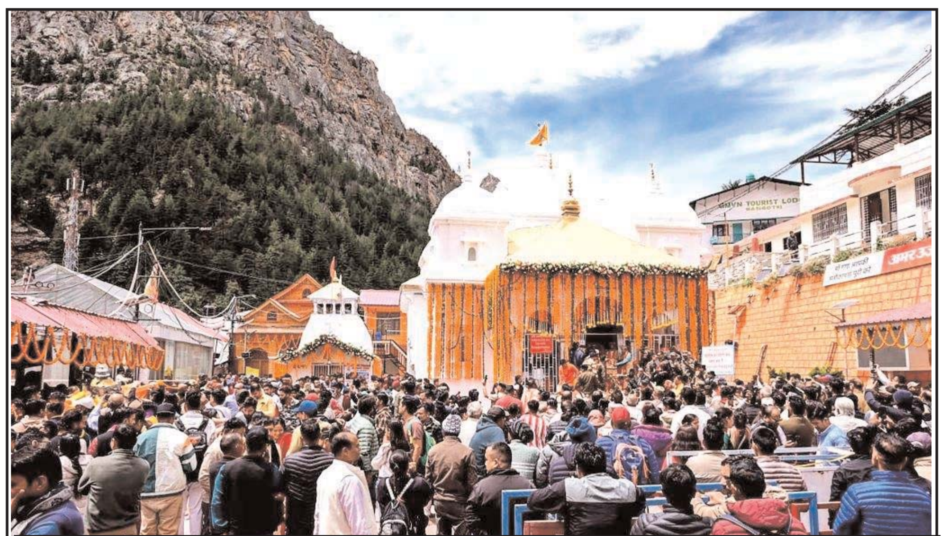

उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले में, अक्षय तृतीया के अवसर पर गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के समारोह के दौरान, गंगोत्री मंदिर के बाहर श्रद्धालु एकत्रित हुए।

महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक को लेकर सरकार के पास क्या-क्या हैं विकल्प ?

नईदिल्ली, (आरएनएस)। महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर संसद में लाया विधेयक पारित नहीं हो सका है। विधेयक को जरूरी दो तिहाई वोट नहीं मिल सके। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महिलाओं को आरक्षण दिलाने का भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का संकल्प अडिग रहेगा। उन्होंने कहा कि विधेयक भले गिर गया, लेकिन वे हारे नहीं है। इसके बाद सरकार की अगली रणनीति को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। सूत्रों ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि सरकार अगले लोकसभा चुनावों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों के साथ चर्चा कर सकती है और अगर जरूरत पड़ी तो संसद के मानसून सत्र के दौरान इस विधेयक को दोबारा पेश करने पर भी विचार कर सकती है। सरकार ने 131वां संवैधानिक संशोधन विधेयक गिरने के बावजूद सरकार ने बाकी 2 विधेयकों को वापस नहीं लिया है। सरकार ने जिन 2 विधेयकों को वापस नहीं लिया है, उन्हें कभी भी पेश कर मतदान कराया जा सकता है। दूसरी ओर, 2023 में पारित हुआ नारी शक्ति वंदन विधेयक अब कानून बन चुका है। यानी 2029 के लोकसभा चुनावों में महिला आरक्षण लागू करने का रास्ता अभी बंद नहीं हुआ है।

चारधाम यात्रा शुरू, गंगोत्री-यमुनोत्री के खुले द्वार; इस दिन खुलेंगे केदारनाथ और बद्रीनाथ के कपाट

देहरादून,(आरएनएस)। उत्तराखंड की पवित्र चारधाम यात्रा 2026 का विधिवत शुभारंभ आज, 19 अप्रैल से हो गया है। हिंदू धर्म में अत्यंत शुभ माने जाने वाले अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर सबसे पहले गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके साथ ही लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी इस यात्रा की औपचारिक शुरुआत हो चुकी है। चारधाम यात्रा के अंतर्गत शेष दो प्रमुख धामों के कपाट खुलने की तिथियां भी निर्धारित हैं। केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खोले जाएंगे, जबकि बद्रीनाथ धाम के द्वार 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इन तिथियों का श्रद्धालु हर वर्ष बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि इसके साथ ही यात्रा पूर्ण रूप से संचालित हो जाती है। चारधाम यात्रा हिंदू धर्म की सबसे पवित्र तीर्थ यात्राओं में से एक मानी जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इन चारों धामों के दर्शन करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करती है, बल्कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करती है। उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्रों में स्थित ये चारों धाम प्राकृतिक सौंदर्य और गहरी आस्था का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हैं।

गंगोत्री धाम को मां गंगा का उद्गम स्थल माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, राजा भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा का अवतरण पृथ्वी पर हुआ था। यहां दर्शन करने से व्यक्ति के पापों का क्षय होता है और जीवन में पवित्रता आती

है।

यमुनोत्री धाम मां यमुना का उद्गम स्थल है। मान्यता है कि यमुना जी की पूजा करने से अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है और दीर्घायु का आशीर्वाद मिलता है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

केदारनाथ धाम भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। हिमालय की ऊंचाइयों पर स्थित इस धाम तक पहुंचने के लिए कठिन यात्रा करनी पड़ती है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां दर्शन करने से सभी कष्ट दूर होते हैं और भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु को समर्पित प्रमुख तीर्थ है और वैष्णव संप्रदाय में इसका विशेष महत्व है। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है और जीवन के दुखों से मुक्ति मिलती है।

टीएमसी का भय-काल जाने वाला है, भाजपा के भरोसे का सेवा काल आने वाला है : पीएम मोदी

विष्णुपुर,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिष्णुपुर पहुंचे। पीएम मोदी ने विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल कला की भूमि है, कलाकारों की भूमि है। बहुत सारे लोग अनेक प्रकार के चित्र बनाकर लाए हैं। अगर पीछे आपका नाम होगा तो मैं आपको धन्यवाद का पत्र भेजूगा। उन्होंने कहा कि एसपीजी के साथी सभी चीजों को कलेक्ट कर लें। आपको प्यार के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बांग्ला नव वर्ष शुरू होने के बाद मेरी पहली जनसभा है। आज अक्षय तृतीया का शुभ दिन भी है। मेरी कामना है, सभी देशवासियों पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसती रहे। ऐसे पावन अवसर पर ये सभा मंदिरों के इस शहर में होना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि मैं देख रहा हूं, बंगाल में जहां भी जाता हूं। हर जनसभा पहले से ज्यादा बड़ी होती जा रही है। सभी पुराने

रिकॉर्ड टूट रहे हैं। ये माहौल, प्यार, उत्साह, उमंग- ये निर्मम प्रदेश सरकार के प्रति रोष का भी प्रतीक है। पीएम ने कहा कि बंगाल अब मान चुका है, बंगाल अब ठान चुका है। यह मां शारदा की पवित्र धरती है। इतनी बड़ी संख्या में माताएं, बहनें और बेटियां भी आई हैं। भाजपा की पहचान ही महिला सशक्तीकरण से है, महिला सुरक्षा से है। इसलिए देश के हर राज्य में बहनें, बेटियां भाजपा को सबसे ज्यादा आशीर्वाद देती हैं। हम चाहते हैं कि विकसित भारत में बेटियों की भूमिका का विस्तार हो। लेकिन आपने देखा होगा कि संसद में क्या हुआ ? टीएमसी ने बंगाल की बहनों के साथ एक और धोखा किया है। पीएम ने टीएमसी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का सम्मान करती है, लेकिन आदिवासी विरोधी टीएमसी उनका अपमान करती है। यहां बंगाल में जब राष्ट्रपति जी आईं, तो टीएमसी ने उनका अपमान कैसे किया, यह पूरे देश ने देखा है। बंगाल की बहनें राष्ट्रपति के अपमान को कभी नहीं भूलेंगी। उन्होंने कहा कि ये वही टीएमसी है, जो घुसपैठियों को लाभ देने के लिए हर कानून-नियम तोड़ देती है। ये वही टीएमसी है, जो धर्म के आधार पर आरक्षण देने में जुटी है और संविधान की भावनाओं का गला घोटने में लगी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल में जब भाजपा सरकार बनेगी तो गरीबों को मुफ्त राशन मिलेगा। कोई आपका राशन छीन नहीं पाएगा। बंगाल की भाजपा सरकार महिलाओं को पक्का घर बनाने के लिए पीएम आवास योजना के तहत 1.5 लाख रुपये तक की मदद देगी।

लोकसभा में सीट बढ़ोतरी, परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण से जुड़े हर सवाल का केंद्र सरकार ने दिया खुलकर जवाब

नई दिल्ली,(आरएनएस)। लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पास नहीं हो पाया। इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने बीते दिन देश को संबोधित करते हुए कहा कि यह 40 साल से लटके हुए नारी हक को 2029 के लोकसभा चुनाव से उसका हक देने का संशोधन था। यह संशोधन 21वीं सदी के भारत की नारी को नया अवसर देने और नई उड़ान देने का प्रयास था। ऐसे में आइए जानते हैं, इसको लेकर केंद्र सरकार का नजरिया क्या है। दरअसल, 16 अप्रैल को केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक (संविधान का 131वां संशोधन) 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और संघ राज्यक्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक 2026 को लोकसभा में पेश किया था। केंद्र सरकार की ओर से ये तीनों विधेयक सदन ने अभी क्यों लाए गए? इस सवाल पर केंद्र सरकार ने बताया गया कि नारीशक्ति वंदन अधिनियम में यह प्रावधान किया गया है कि 2026 के बाद होने वाली जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन के आधार पर महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। अगर केंद्र सरकार 2026 जनगणना और फिर उसके आधार पर परिसीमन की प्रतीक्षा करती तो महिलाओं को 33 प्रतिशत का आरक्षण का लाभ 2029 के आम चुनाव में भी नहीं मिल पाता, इसीलिए देश की आधी-आबादी को जल्द-से-जल्द लाभ पहुंचाने के लिए इसको 2026 जनगणना के आधार पर होने वाले परिसीमन से अलग करना जरूरी था।

पंजाब में बेअदबी पर उम्रकैद वाला कानून बना, राज्यपाल ने बिल पर किए साइन; जल्द राज्य में होगा लागू

चंडीगढ़,(आरएनएस)। पंजाब में बेअदबी को लेकर अब सख्त कानून बन गया है। राज्यपाल कटारिया ने इस कानून से संबंधित बिल पर साइन कर दिए हैं, अब यह कानून जल्द ही पूरे राज्य में लागू कर दिया जाएगा। अब बिल को मंजूरी मिलने के बाद इसे कानूनी रूप मिल गया है। माना जा रहा है कि इस कानून के लागू होने के बाद बेअदबी के मामलों में सख्त कार्रवाई का रास्ता मजबूत होगा और ऐसे मामलों पर रोक लगाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है सीएम मान ने खुद यह जानकारी साझा की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ङ्ग पर लिखा-कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के खिलाफ विधानसभा में पारित किए गए बिल पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने हस्ताक्षर कर दिए हैं। अब यह बिल कानून बन गया है। मेरे जैसे एक छोटे से

सेवक से यह सेवा लेने के लिए वाहेगुरु जी का कोटि-कोटि धन्यवाद। समस्त संगत का भी हृदय से आभार।

नए बिल ये काम करने को बेअदबी माना जाएगा

1. श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के 'स्वरूप' (पवित्र ग्रंथ) को जानबूझकर फाड़ना, जलाना या किसी भी तरह से खंडित करना। 2. पवित्र ग्रंथ पर थूकना, उसे गंदे हाथों से छूना या किसी ऐसी जगह रखना जहां उनकी गरिमा भंग होती हो। 3. गुरु साहिब के स्वरूप को सार्वजनिक रूप से फेंकना या गलियों/नालियों में लावारिस छोड़ देना। 4. पवित्र स्वरूप को चोरी करना या उसे मर्यादा के विरुद्ध अपने पास रखना। 5. श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की उपस्थिति में शराब, तंबाकू या किसी भी नशीले पदार्थ का सेवन करना या लेकर जाना। 6. सोशल मीडिया या किसी अन्य माध्यम से पवित्र बाणी या गुरु साहिब के प्रति अभद्र टिप्पणी या अपमानजनक फोटो-वीडियो बनाना। बता दें पंजाब विधानसभा ने बैसाखी के अवसर पर 13 अप्रैल को मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026' सर्वसम्मति से पारित किया था।

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले इरोड जिले में एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

मृणाल ठाकुर बोलीं- चंकी पांडे को अपने पति के रूप में देख हिल गई थी मैं

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर को अजय देवगन अभिनीत फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में देखा गया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। उधर मृणाल का भी इस फिल्म में काम करने का अनुभव अच्छा नहीं रहा। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि इस फिल्म में हुए अचानक बदलावों और उनकी भूमिका के साथ किए गए रचनात्मक समझौतों ने उन्हें काफी आहत किया। क्या कुछ बोलीं मृणाल, आइए जानते हैं। मृणाल ने स्वीकार किया कि फिल्म का फाइनल कट देखने के बाद उनका विश्वास डगमगा गया। उन्होंने बताया कि उन्हें ये जानकारी नहीं थी कि फिल्म में चंकी पांडे उनके पति की भूमिका निभाएंगे। एक सीनियर एक्टर का उनके पति के रूप में होना उनके लिए अप्रत्याशित था। जब 33 वर्षीय अभिनेत्री को ये बात पता चली तो वो दंग रह गईं। इन बातों ने न केवल मृणाल को झकझोर दिया, बल्कि इससे उनके भरोसे को भी ठेस पहुंची है। मृणाल बोलीं, मुझे नहीं पता था कि एक बहुत ही सीनियर अभिनेता मेरे पति की भूमिका निभाने वाले हैं, क्योंकि ये चीज मेरी... उस उम्मीद को ही बदल देती है, जो मैंने इस फिल्म से की थी तो वहां मैं नाकाम रही, क्योंकि वहां मेरा भरोसा डगमगा गया था, लेकिन आप जानते हैं क्या, मुझे कोई पछतावा नहीं है। विजय कुमार अरोड़ा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मृणाल ने अभिनेता चंकी पांडे की पत्नी की भूमिका निभाई थी। मृणाल ने एक बेहद भावुक दृश्य का जिक्र किया, जहां वो अपनी भतीजी के बेहतर भविष्य के लिए अपनी निजी जिंदगी का त्याग कर देती हैं। वो बोलीं, मुझे नहीं पता था कि मेरे 2 इतने महत्वपूर्ण दृश्य एडिटिंग के दौरान काट दिए जाएंगे... वो पूरी कहानी ही गायब थी। हालांकि, मृणाल ने स्पष्ट किया कि इन सब के बावजूद उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। फिल्म की टीम के साथ उनके संबंध आज भी मधुर हैं। साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म की अगली कड़ी, सन ऑफ सरदार 2 में कई शानदार कलाकार नजर आए। इसमें अजय देवगन ने एक बार फिर जस्सी की भूमिका निभाई, मृणाल राबिया के रूप में दिखीं और उनके साथ रवि किशन, नीरू बाजवा, दीपक डोबरियाल ने भी फिल्म में अहम किरदार निभाए। हालांकि, 150 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म दुनियाभर में महज 60 करोड़ रुपये जुटा पाई थी।

दूसरी बार टल गई सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज डेट, सलमान खान का कैमियो हुआ कंफर्म

पहले 'गदर 2' और अब 'बॉर्डर 2' की सक्सेस ने सनी देओल को एक बार फिर ऊंचाईयं पर पहुंचा दिया है. वहीं फैंस अब एक्टर की अपकमिंग फिल्मों को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं इनमें 'गबरू' भी शामिल है. इस फिल्म की रिलीज डेट 8 मई तय की गई थी लेकिन अब खबरों के मुताबिक सनी देओल की 'गबरू' के लिए फैंस को और इंतजार करना पड़ सकता है. दअसल फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया, गबरू की रिलीज टाल दी गई है और यह 8 मई को सिनेमाघरों में नहीं आएगी. मेकर्स कुछ दिनों में नई रिलीज डेट तय कर लेंगे, जिसके बाद वे ऑफिशियल अनाउंसमेंट करेंगे. रिपोर्ट के मुताबिक, गबरू 13 मार्च को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे 8 मई तक टाल दिया गया. अब, इस नए अपडेट से पता चलता है कि अभिनेता के फैंस को फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए कुछ और समय इंतजार करना पड़ेगा. इससे पहले, नवंबर 2025 में आई रिपोर्ट में कहा गया था कि सनी देओल की इस फिल्म में सलमान खान कैमियो करेंगे. रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने कंफर्म करते हुए बताया, एक स्टार की ज़रूरत थी और निर्माताओं को पता था कि सलमान खान इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही हैं. सलमान से संपर्क किया गया और उन्हें यह किरदार और फिल्म में इसका कॉन्ट्रिब्यूशन बहुत पसंद आया. उन्होंने एक साल से भी पहले चुपचाप फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी और फिल्म अच्छी बन रही है।

क्या हरनाज संधू के हाथ लगेगी विक्की कौशल की महावतार? फिल्म पर आई ये जानकारी

छावा की अपार सफलता के बाद, विक्की कौशल पौराणिक फिल्म महावतार को लेकर चर्चा में हैं। अमर कौशिक की इस फिल्म में उन्हें भगवान विष्णु के छठे अवतार चिरंजीवी परशुराम के किरदार में देखा जाएगा। पहले खबर थी कि निर्माता फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के लिए दीपिका पादुकोण से बात कर रहे हैं। फिर श्रद्धा कपूर का नाम चर्चा में आया। अब इस भूमिका के लिए मिस यूनिवर्स 2021 रहीं हरनाज संधू का नाम सामने आ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने बताया, फिल्म निर्माता महावतार में विक्की कौशल के साथ एक नए चेहरे को कास्ट करके एक नई जोड़ी बनाना चाहते थे, और वे इस भूमिका के लिए हरनाज़ संधू से बातचीत कर रहे हैं। यह नई जोड़ी पंजाब के 2 मूल अभिनेताओं को एक साथ लाएगी, जो दर्शकों को बांधे रखेगी। इससे पहले रिपोर्ट में बताया गया था कि फिल्म के लिए श्रद्धा से बातचीत चल रही है। जाहिर है कि मिस यूनिवर्स 2021 का ताज पहनने के बाद, हरनाज को घर-घर में पहचान मिली है। उनकी लोकप्रियता में बढ़ावा देने का काम टाइगर श्रॉफ की फिल्म बागी 4 ने किया है। इसमें उनके अभिनय को लोगों से खूब सराहना मिली थी। इसके अलावा, हरनाज यारा दियां पून बरन और बाई जी कुट्टन गे जैसी पंजाबी फिल्मों का हिस्सा भी रही हैं। विक्की की बात करें, तो उन्हें अगले साल फिल्म लव एंड वॉर में देखा जाएगा।

रिलीज होते ही छाया गणेश आचार्य का गाना माही वे, आकांक्षा पुरी संग दिखी जबरदस्त केमेस्ट्री

मशहूर कोरियोग्राफर और एक्टर गणेश आचार्य व एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी स्टारर हिंदी म्यूजिक वीडियो माही वे दर्शकों के बीच आते ही तेजी से वायरल हो रहा है. यह म्यूजिक वीडियो सुर म्यूजिक रिकार्ड्स के ऑफिसियल यूट्यूब से रिलीज हुआ है। यह गाना, गणेश आचार्य और आकांक्षा पुरी के इमोशनल अंदाज़, दमदार म्युजिक और शानदार विजुअल्स के कारण दर्शकों का खूब प्यार बटोर रहा है. रिलीज के कुछ ही समय में गाने को सोशल मीडिया और यूट्यूब पर शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है. गाने को लेकर गणेश आचार्य ने कहा, माही वे सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि भावनाओं की अभिव्यक्ति है. इसकी कहानी, संगीत और विजुअल्स हर किसी को अपनी जिंदगी के किसी न किसी एहसास से जोड़ देंगे. दर्शकों से जिस तरह का प्यार मिल रहा है, वह बेहद खास है. मुझे खुशी है कि लोग इस गाने की भावना को महसूस कर रहे हैं। गणेश आचार्य ने आगे कहा, 'माही वे' मेरे लिए बेहद खास प्रोजेक्ट है क्योंकि इस गाने में केवल डांस या परफॉर्मेंस नहीं, बल्कि गहरी भावनाओं को अभिव्यक्त करने का मौका मिला. जब मैंने पहली बार इस गाने का कॉन्सेप्ट सुना, तभी समझ गया था कि यह दर्शकों के दिलों तक पहुंचेगा। उन्होंने आगे कहा, सुल्ताना नूरान और शबाब साबरी की आवाज़ ने इसे अलग ऊंचाई दी है. आकांक्षा पुरी के साथ काम करने का अनुभव भी शानदार रहा. जिस तरह से दर्शक इस गाने को प्यार दे रहे हैं, वह बताता है कि अच्छे कंटेंट की हमेशा कद्र होती है. मुझे उम्मीद है कि 'माही वे' आने वाले दिनों में और बड़ा हिट साबित होगा।

बता दें, गाने को अपनी आवाज दी है मशहूर गायिका सुल्ताना नूरान और गायक शबाब साबरी ने, जिसने गाने को और भी खास बना दिया है. वहीं अशोक पंजाबी के लिखे बोल और राहुल राजपूत के संगीत ने इस रोमांटिक-इमोशनल ट्रैक को खास बना दिया है. यह गाना प्यार, दर्द और जुदाई की भावनाओं को बहुत खूबसूरती से दिखाता है, जो सीधे दिल को छूता है।

भूत बंगला ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर गाड़े झंडे, इन फिल्मों को दी धोबी पछाड़

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की सुपरहिट जोड़ी ने 14 साल बाद पर्दे पर वापसी करते हुए बॉक्स ऑफिस पर शानदार वापसी की है। फिल्म भूत बंगला ने अपने पहले ही दिन उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया है। फिल्म की इस शुरुआत ने इस साल रिलीज हुईं कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। लंबे इंतजार के बाद अक्षय अपनी पसंदीदा शैली हॉरर-कॉमेडी में वापस लौटे हैं। आइए जानें उनकी इस फिल्म ने पहले दिन कितने करोड़ रुपये कमाए हैं। अक्षय की भूत बंगला पहले दिन रणवीर सिंह की धुरंधर 2 या सनी देओल की बॉर्डर 2 को टक्कर नहीं दे पाई। हालांकि, इसने शाहिद कपूर की ओरोमियो से लेकर रानी मुखर्जी की मर्दानी 3, वीर दास की हैप्पी पटेल और अस्सी जैसी 2026 में रिलीज हुई अन्य फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है और बॉलीवुड में 2026 की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म ने पहले दिन 15.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। अक्षय ने ओरोमियो (9.01 करोड़) और श्रीराम राघवन की बहुचर्चित इक्कीस (7.28 करोड़) जैसी फिल्मों को बड़े अंतर से पछाड़ दिया है। रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 भी भूत बंगले के सामने टिक नहीं पाई और महज 4 करोड़ पर सिमट गई।

चांद मेरा दिल का टाइटल ट्रैक रिलीज, अनन्या-लक्ष्य की केमिस्ट्री ने बिखेरा प्यार का जादू

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की अपनी एक अलग पहचान रही है। इन दिनों चांद मेरा दिल को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है। लंबे इंतजार के बाद फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है, जिसने आते ही सोशल मीडिया पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। गाने को खासतौर पर युवाओं के बीच काफी पसंद किया जा रहा है और इसे इस साल के सबसे खूबसूरत रोमांटिक गानों में गिना जा रहा है। गाने में अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी की जोड़ी देखने को मिल रही है। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे कॉलेज में दोनों के बीच धीरे-धीरे पनपता प्यार है। कभी वे बाइक पर साथ घूमते है, तो कभी एक-दूसरे को छुपकर देखते है। दोनों छोटे-छोटे पलों में खुशी ढूंढते है। इस गाने को फहीम अब्दुल्ला ने गाया है, वहीं संगीत सचिन-जिगर ने तैयार किया है। जबकि गाने के बोल अमित भट्टाचार्य ने लिखे हैं। फहीम अब्दुल्ला ने कहा, चांद मेरा दिल गाने में एक मासूम भावना है, जिसने मुझे इस गाने के ओर आकर्षित किया। यह गाना सिर्फ प्यार की बात नहीं करता, बल्कि उन छोटे-छोटे खास पलों को दिखाता है, जो असल में प्यार को खास बनाते हैं। मैंने कोशिश की कि अपनी आवाज में वही अपनापन लाऊं, ताकि हर सुनने वाला इस गाने से जुड़ सके।

लूज पाउडर बनाम कॉम्पैक्ट पाउडरः दोनों में से किसका इस्तेमाल करना है बेहतर?

लूज पाउडर और कॉम्पैक्ट पाउडर मेकअप के 2 उत्पाद हैं, जो बेस को सेट करने और एक अच्छी फिनिश देने में मदद करते हैं। हालांकि, दोनों की बनावट और उपयोग में फर्क होता है। लूज पाउडर आमतौर पर ढीला होता है, जबकि कॉम्पैक्ट पाउडर ठोस रूप में आता हैं। इस लेख में हम इन दोनों उत्पादों के बीच के अंतर और उनके उपयोग के सही तरीकों पर चर्चा करेंगे, ताकि आप अपने मेकअप रूटीन को बेहतर बना सकें।

लूज पाउडर की खासियत

लूज पाउडर को बेस मेकअप सेट करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह चेहरे पर हल्की और महीन परत बनाता है, जिससे मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है। लूज पाउडर को ब्रश या स्पंज की मदद से चेहरे पर लगाया जाता है। यह खासकर गर्मियों में और अधिक तेलीय त्वचा वालों के लिए फायदेमंद होता है, क्योंकि यह अतिरिक्त तेल को सोख लेता है और चेहरे को मैट फिनिश देता है।

कॉम्पैक्ट पाउडर क्या है?

कॉम्पैक्ट पाउडर एक ठोस रूप में आता है, जिसे आसानी से पर्स में रखा जा सकता है। इसे टच-अप के लिए कहीं भी और कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कॉम्पैक्ट पाउडर हल्का होता है और त्वचा पर एक चिकनी और चमकदार फिनिश देता है। इसे चेहरे पर हल्के हाथों से लगाना चाहिए, ताकि यह अच्छी तरह से फैले और त्वचा को एक प्राकृतिक लुक दे सके। कॉम्पैक्ट पाउडर का उपयोग रोजमर्रा के मेकअप के लिए सही है।

दोनों उत्पादों के बीच का फर्क

लूज पाउडर और कॉम्पैक्ट पाउडर चेहरे को सेट करने के लिए इस्तेमाल होते हैं, लेकिन उनकी बनावट और उपयोग में फर्क होता है। लूज पाउडर अधिक महीन और हल्का होता है, जबकि कॉम्पैक्ट पाउडर ठोस और अधिक टिकाऊ होता है। लूज पाउडर अधिक तेलीय त्वचा वालों के लिए बेहतर होता है, क्योंकि यह अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। वहीं, कॉम्पैक्ट पाउडर सभी प्रकार की त्वचा पर अच्छा काम करता है।

त्वचा के अनुसार चुनें सही उत्पाद

आपकी त्वचा का प्रकार और जरूरतें ही तय करती हैं कि आपको कौन-सा उत्पाद चुनना चाहिए। अगर आपकी त्वचा अधिक तेलीय है तो लूज पाउडर बेहतर रहेगा, क्योंकि यह अतिरिक्त तेल को सोख लेगा। वहीं, अगर आपकी त्वचा सूखी या सामान्य है तो कॉम्पैक्ट पाउडर आपके लिए उपयुक्त रहेगा। कॉम्पैक्ट पाउडर चेहरे से पसीना आदि हटाने के भी काम आता है। सही चयन करने से आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा और आपको एक सुंदर लुक मिलेगा।

अनानास के तने को फेंकने के बजाय इन 5 तरीकों से किया जा सकता है इस्तेमाल

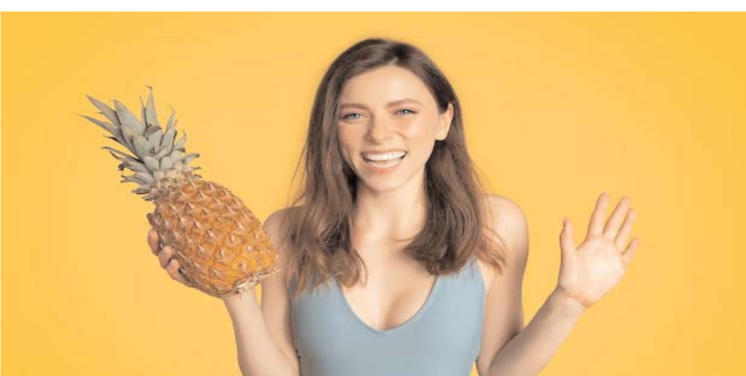

आमतौर पर लोग अनानास के तने को फेंक देते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इसमें कई पोषक तत्व होते हैं। इसमें विटामिन-सी, विटामिन-बी6, पोटेशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। इस लेख में हम आपको अनानास के तने के कुछ ऐसे उपयोग बताएंगे, जिनके बारे में जानकर आप इसे फेंकने के बजाय इसका इस्तेमाल करना चाहेंगे। इन तरीकों से आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

सलाद में शामिल करें

अनानास के तने को सलाद में शामिल करना एक बेहतरीन तरीका है। इसे छोटे टुकड़ों में काटकर अपने सलाद में डालें। इससे न केवल सलाद का स्वाद बढ़ेगा, बल्कि इसमें पोषण भी जुड़ेगा। अनानास का तना ताजगी भरा होता है, जो आपके सलाद को और भी पौष्टिक बना देगा। यह आपके भोजन को ज्यादा रंगीन और आकर्षक बनाएगा, साथ ही आपके शरीर को जरूरी विटामिन और खनिज भी प्रदान करेगा।

रस बनाएं

अनानास के तने का रस पीना आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद तत्व पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करते हैं और शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाते हैं। यह रस शरीर को साफ करने में भी सहायक है। इसे बनाने के लिए तने को छोटे टुकड़ों में काटकर रस निकालने की मशीन में डालें। आप इसमें थोड़ा नींबू का रस भी मिला सकते हैं, ताकि इसका स्वाद और बेहतर हो जाए।

स्मूदी में मिलाएं

स्मूदी बनाते समय आप उसमें अनानास के तने को भी मिला सकते हैं। इससे आपकी स्मूदी पौष्टिक बनेगी और उसका स्वाद भी बढ़ जाएगा। यह आपके शरीर को जरूरी विटामिन और खनिज प्रदान करेगा। इसे बनाने के लिए एक ब्लेंडर में दूध या दही के साथ तने के टुकड़े डालें और अच्छे से मिलाएं। आप इसमें थोड़ा शहद या अन्य फल भी मिला सकते हैं, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाएगा।

सब्जियों के साथ पकाएं

सब्जियों को पकाते समय अगर आप उसमें थोड़े टुकड़े अनानास के तने के डाल दें तो इसका स्वाद बहुत ही खास आएगा। इससे सब्जियों का स्वाद बढ़ जाएगा और वे अधिक पौष्टिक बनेंगी। इसके अलावा यह आपके भोजन को एक नया रंग और खुशबू देगा। इसे बनाने के लिए सब्जियों को पहले हल्का-सा भूनें, फिर उसमें तने के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिलाएं और पकाएं। यह आपके भोजन को और भी लाजवाब बना देगा।

त्वचा के लिए स्क्रब बनाएं

त्वचा की सफाई करने के लिए आप अनानास के तने का स्क्रब बना सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करते हैं और त्वचा को ताजगी प्रदान करते हैं। इसे बनाने के लिए अनानास के तने को छोटे टुकड़ों में काटें, फिर उसे थोड़ी चीनी या नमक के साथ मिलाकर हल्के हाथों से रगड़ें। इससे आपकी त्वचा मुलायम बनेगी और उसमें निखार आएगा। यह स्क्रब त्वचा की गहराई तक जाकर उसे साफ करता है।

ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखें, सार्वजनिक प्याऊ तथा पशु पक्षियों के लिए सकोरे करें स्थापित : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

3 दिनों में एचपीवी वैक्सीनेशन 100% लक्ष्य प्राप्त करें, सभी बीएमओ इस ओर दें विशेष ध्यान

नर्मदापुरम (ए.)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने रविवार को आयोजित समय सीमा बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं, अभियानों एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कार्यों में गति लाने एवं समयबद्ध निष्पादन पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि आगामी 10 दिवस के भीतर समय सीमा के अंतर्गत लंबित सभी प्रकरणों का अनिवार्य रूप से निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने-अपने विभाग के लंबित मामलों में समय पर जवाब दर्ज करें, जिससे प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में न्यायालयीन प्रकरण (कोर्ट केस) या सतत रूप से चलने वाली प्रक्रिया शामिल है, उन मामलों में संबंधित स्थिति को स्पष्ट रूप

से दर्ज किया जाए। उन्होंने स्पष्ट एवं सख्त निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को नॉन अटेंडेड पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जुर्माना अधिरोपित किया जाएगा। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के संतुष्टि पूर्ण डिस्पोजल पर फोकस करें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी सीएम हेल्पलाइन शिकायत निम्न गुणवत्ता के साथ बंद ना हो। उन्होंने यह निर्देश भी दिए कि सी और डी कैटेगरी में स्थान प्राप्त करने वाले विभागों तथा उनसे संबंधित अधिकारियों पर भी नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई संपादित की जाएगी। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देशित किया कि नागरिक सेवा एवं सुशासन से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी अधिकारी अंतिम दिवस के लिए कोई भी प्रकरण पेंडिंग ना रखें समय पूर्व ही शिकायतों में आवश्यक रूप से कंप्लायंस दर्ज करें। इसी प्रकार उन्होंने सीएम एवं सीएस मोनिट से जुड़े समस्त मामलों को श्रेणीवार विभाजित करते हुए उनमें आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गूजरवाड़ा में जल चौपाल एवं संरक्षण शपथ का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् की नवांकुर संस्था गुरुदेव शिक्षा एवं समाज सेवा समिति एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गूजरवाड़ा द्वारा सेक्टर क्रमांक-04 अंतर्गत ग्राम गूजरवाडा में जल चौपाल एवं जल संरक्षण शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विकासखंड समन्वयक नरेंद्र देशमुख ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि जल को सहेजना, उसका संरक्षण करना एवं प्रकृति की रक्षा करना हम सभी का मूल कर्तव्य है। उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। नवांकुर संस्था प्रमुख नीतिराज सिंह यादव ने अपने विचार रखते हुए कहा कि जल के बिना जीवन अधूरा है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए सभी को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत महलवाड़ा में श्रमदान से तालाब का गहरीकरण एवं साफ-सफाई

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, नर्मदापुरम द्वारा जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में पिपरिया विकासखंड के ग्राम महलवाड़ा में नवांकुर संस्था आराध्या समाज कल्याण समिति एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के संयुक्त तत्वावधान में श्रमदान के माध्यम से तालाब का गहरीकरण एवं साफ-सफाई कार्य किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जल स्रोतों के संरक्षण के महत्व को समझा और सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने जल संवर्धन एवं संरक्षण की शपथ भी ली। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन एवं जल संकट से निपटने के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। अभियान के माध्यम से ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है तथा सामुदायिक प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिल रही है।

सहकारी बैंक द्वारा चलाया जा रहा है विशेष वसूली अभियान

दो दिन में की गई 50 लाख रुपये की वसूली

नर्मदापुरम (ए.)। जिला सहकारी बैंक द्वारा मार्केटिंग फेडरेशन की लंबित राशि के भुगतान हेतु वसूली अभियान को गति दी गई है। प्रमुख सचिव सहकारिता द्वारा भोपाल में आयोजित समीक्षा बैठक के उपरांत अप्रैल माह के अंत तक किसानों से वसूली कर 15 करोड़ रुपये का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के पालन में उपायुक्त सहकारिता द्वारा बैंक मुख्यालय में क्षेत्रीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। साथ ही नर्मदापुरम, इटारसी शहर, पुरानी इटारसी एवं बानापुरा शाखाओं में सहकारी निरीक्षकों शाखा प्रबंधकों एवं सोसायटी कर्मियों के साथ बैठक कर लक्ष्य निर्धारित किए गए। बैठक में सोसायटी के कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे किसानों से घर-घर संपर्क कर लंबित राशि की वसूली सुनिश्चित करें। इसके लिए सभी सोसायटी कर्मियों को फील्ड में सक्रिय रूप से लगाया गया है। इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिसके तहत दो ही दिन में लगभग 50 लाख रुपये की वसूली की गई है।

सांसद माया नारोलिया ने उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से की शिष्टाचार भेंट, जनहित के विषयों पर प्राप्त किया मार्गदर्शन

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने सभापति से भेंट कर की संसदीय गरिमा और विकास पथ पर

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने देश के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट की। एक शिष्टाचार मुलाकात के दौरान सांसद नारोलिया ने राज्यसभा के सभापति का अभिवादन किया और संसदीय कार्यप्रणाली सहित विभिन्न महत्वपूर्ण समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। भेंट के दौरान महामहिम उपराष्ट्रपति ने सांसद माया नारोलिया को संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप लोक कल्याण के कार्यों को गति देने हेतु बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया। सांसद नारोलिया ने मध्यप्रदेश की प्रगति और क्षेत्र की जनता की आकांक्षाओं से भी सभापति को अवगत कराया। इस अवसर पर श्रीमती नारोलिया ने कहा, उपराष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन का सानिध्य और मार्गदर्शन सदैव ऊर्जा प्रदान करने वाला होता है। उनके अनुभव और विचार एक सांसद के रूप में हमें जनता की सेवा और सदन की गरिमा को बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर साथ में अन्य गणमान्य परिजन और सहयोगी भी उपस्थित।

प्रशासन की तत्परता से सोहागपुर के रेंगा खेड़ा में बाल विवाह रुका

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में जिले में बाल विवाह रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत आज एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। सोहागपुर तहसील के ग्राम रेंगा खेड़ा में बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त होने पर प्रशासन द्वारा गठित संयुक्त दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विवाह को रुकवा दिया। संयुक्त दल ने मौके पर पहुंचकर संबंधित परिवारों से चर्चा की तथा बच्चों के आयु संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन किया। जांच के दौरान बच्चों की आयु वैधानिक सीमा से कम पाई गई। इस पर दल के सदस्यों ने परिजनों को 'बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम' के प्रावधानों, दंडात्मक कार्रवाई तथा बाल विवाह के दुष्परिणामों, विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य एवं भविष्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। समझाइश के पश्चात परिजनों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए बच्चों के बालिग होने तक विवाह नहीं करने का आश्वासन दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग से श्रीमती बानो खान (सेक्टर पर्यवेक्षक) एवं श्रीमती मोहिनी सराठिया (सहायिका), पुलिस विभाग से विवेक सोनपुरे एवं श्रीमती मंजूलता परते, तथा सामाजिक संस्था से मानवेन्द्र सिंह तोमर ने सक्रिय भूमिका निभाई। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक कुरीति एवं दंडनीय अपराध है। यदि आपके आसपास कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले, तो तत्काल स्थानीय प्रशासन, पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचित करें।

जनगणना 2027 में स्व-गणना की सुविधाः नागरिक घर बैठे कर सकेंगे अपना पंजीकरण

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत में प्रस्तावित डिजिटल जनगणना प्रक्रिया के तहत अब नागरिकों को स्व-गणना (Self Enumeration) की सुविधा प्रदान की गई है। इसके लिए शासन द्वारा एक सरल और चरणबद्ध ऑनलाइन प्रक्रिया निर्धारित की गई है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं अपने परिवार एवं निवास संबंधी जानकारी पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। नर्मदापुरम जिले में भी नागरिकों सहित जिले के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्व-गणना (Self Enumeration) प्रक्रिया को पूर्ण कर स्व-गणना पहचान संख्या (SE ID) प्राप्त की गई है। उक्त पहचान संख्या को आगामी 1 मई से प्रारंभ होने वाले घर घर सर्वे के दौरान प्रगणकों को उपलब्ध करवाया जाना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस डिजिटल सुविधा का अधिकतम उपयोग करते हुए स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाएं। जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, नागरिकों को सबसे पहले निर्धारित पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाकर लॉग-इन करना होगा। इसके पश्चात परिवार के मुखिया के नाम, मोबाइल नंबर एवं आवश्यक जानकारी के साथ परिवार का पंजीकरण किया जाएगा। अगले चरण में नागरिकों को अपनी पसंदीदा भाषा का चयन कर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करना होगा। इसके बाद स्थान संबंधी जानकारी जैसे जिला, पिन कोड एवं स्थानीय क्षेत्र का विवरण भरना होगा। साथ ही मानचित्र (मैप) पर अपने निवास स्थान को चिन्हित कर उसकी पुष्टि करना अनिवार्य रहेगा। स्व-गणना प्रक्रिया के अंतर्गत नागरिकों को निर्धारित प्रश्नावली को सावधानीपूर्वक भरना होगा। सभी जानकारी दर्ज करने के बाद पूर्वावलोकन (Preview) के माध्यम से डेटा की समीक्षा कर अंतिम प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। सफलतापूर्वक सबमिशन के बाद प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट स्व-गणना पहचान संख्या (SE ID) प्रदान की जाएगी, जो एसएमएस या ई-मेल के माध्यम से प्राप्त होगी। अंतिम चरण में, जब जनगणना प्रगणक (Enumerator) क्षेत्र भ्रमण पर आएंगे, तब नागरिकों को अपनी SE ID प्रस्तुत करनी होगी। इसके आधार पर दर्ज जानकारी का सत्यापन

खेल समाचार

अभिषेक शर्मा ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए जड़ा सबसे तेज अर्धशतक, 2,000 रन भी पूरे किए

नईदिल्ली (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 27वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 59 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। इसी के साथ वह आईपीएल इतिहास में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्हें जेमी ओवरटन ने आउट किया। ऐसे में आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं। अभिषेक ने 22 गेंदों का सामना किया और 59 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 चौके और 4 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 268.18 की रही। पहले विकेट के लिए इस खिलाड़ी ने ट्रेविस हेड के साथ 5.5 ओवर में 75 रन जोड़ दिए थे। हेड का खराब फॉर्म इस मैच में भी जारी रहा। वह 20 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक इस मुकाबले से पहले राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खाता खोले बिना आउट हुए थे। अभिषेक ने मुकाबले में अपना और हेड का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले इन दोनों खिलाड़ियों ने संयुक्त रूप से 16-16 गेंदों में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अर्धशतक लगाए थे। हेड ने 2 बार ये कारनामा किया था। हेनरिक क्लासेन ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। आईपीएल 2026 में अभिषेक ने दूसरी अर्धशतकीय पारी खेली। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने 74 रन बनाए थे। अभिषेक ने 83 मैच में 27.45 की औसत और 167.56 की स्ट्राइक रेट से 2,004 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से एक शतक और 11 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 141 रन रहा है। उनके बल्ले से 189 चौके और 118 छक्के निकले हैं। आईपीएल 2026 में इस खिलाड़ी ने 6 मैच में 31.33 की औसत और 229.27 की स्ट्राइक रेट से 188 रन बनाए हैं। उन्होंने इस संस्करण 15 चौके और 17 छक्के भी लगाए हैं।

हैदराबाद ने रोमांचक मुकाबले में चेन्नई को 10 रनों से हराया, मलिंगा ने झटके तीन विकेट

नईदिल्ली (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 27वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को 10 रनों से हरा दिया. हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में 195 रनों के जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स 20 ओवर में 8 के विकेट के नुकसान पर 184 रन ही बना सकी. श्रीलंकाई तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा ने मैच में शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट हासिल किए. जिससे उनको प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. इससे पहले, ओपनर अभिषेक शर्मा 59 और हेनरिक क्लासेन 59 रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स के सामने 20 ओवरों में 194/9 का स्कोर खड़ा किया. एक मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए, चेन्नई सुपर किंग्स ने तेज शुरुआत की और पहले ही ओवर में 15 रन बनाए. हालाँकि, उन्हें जल्द ही एक झटका लगा जब दूसरे ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी ने संजू सैमसन को सात रन पर आउट कर दिया. शुरुआती झटके के बावजूद, आयुष म्हात्रे ने जोरदार पलटवार किया और तीसरे ओवर में 24 रन ठोक दिए. वह अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा और आखिरकार वह 13 गेंदों में तेजी से बनाए गए 30 रनों पर आउट हो गए. सनराइजर्स हैदराबाद ने अपनी पकड़ तब और मजबूत कर ली जब मलिंगा ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को 19 रन पर आउट कर दिया. इसके बाद सरफराज खान और मैथ्यू शॉर्ट ने 46 रनों की साझेदारी करके पारी को संभाला और चेन्नई सुपर किंग्स को आधे ओवरों के बाद 111/3 के स्कोर तक पहुंचाया।

पाकिस्तान की टेस्ट टीम का ऐलान, 4 नए खिलाड़ियों को मिली जगह, कोचिंग स्टाफ में भी हुआ बड़ा बदलाव

नईदिल्ली,(ए.)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16-सदस्यीय टीम का ऐलान किया है. जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ साथ 4 नए खिलाड़ियों को भी स्क्वाड में शामिल किया गया है. टीम की कमान शान मसूद के ही हाथों में बरकरार है। नए खिलाड़ियों में अब्दुल्ला फजल, अमाद बट, अजान अवैस और गाजी गोरी को पहली बार टेस्ट टीम में बुलाया गया है. फजल और अवैस, दोनों ही बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर यह मौका हासिल किया है।

अमाद बट 2015 में अपने फर्स्ट-क्लास डेब्यू के बाद से एक बॉलिंग ऑलराउंडर के तौर पर कीमती अनुभव लेकर आए हैं. विकेटकीपर-बल्लेबाज गाजी गोरी भी टीम में अंतरराष्ट्रीय अनुभव जोड़ते हैं, क्योंकि उन्होंने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। इसके अलावा टीम में

बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन शाह अफरीदी, नोमान अली, साजिद खान और सलमान अली आगा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का एक मजबूत कोर शामिल है, जो युवा और अनुभव का सही मिश्रण सुनिश्चित करता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस दौरे के लिए एक नए कोचिंग सेटअप का भी ऐलान किया है. पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को हेड कोच बनाया गया है. पूर्व बल्लेबाज असद शफीक को बैटिंग कोच और पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल को बॉलिंग कोच के तौर पर नियुक्त किया गया है. ये टेस्ट सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी. फिलहाल, पाकिस्तान डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर है, जिसके पास 50 प्रतिशत पॉइंट्स हैं. उनका लक्ष्य आठवें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश के खिलाफ अपनी स्थिति को बेहतर बनाना है। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट 8 से 12 मई तक शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा, जिसके बाद दूसरा टेस्ट 16 से 20 मई तक सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

पाकिस्तान का टेस्ट स्क्वाड

शान मसूद (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अमद बट, अजान अवैस, बाबर आजम, हसन अली, इमाम-उल-हक, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद रिजवान, गाजी गोरी, नोमान अली, साजिद खान, सलमान अली आगा, सऊद शकील और शाहीन शाह अफरीदी।

दिल्ली ने आरसीबी को 6 विकेट से दी मात, राहुल-स्टब्स ने खेली अर्धशतकीय पारी

नईदिल्ली,19 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 26 वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को उसी के घर में 6 विकेट से मात दे दी. 176 रनों के लक्ष्य को दिल्ली ने केएल राहुल के 57 और ट्रिस्टन स्टब्स के 60 रनों की बदौलत आसानी से 20वें ओवर में ही चेज कर लिया. आखिरी ओवर में दिल्ली को जीत के लिए 15 रनों की जरूरत थी. आरसीबी ने उस ओवर में गेंद रोमारियो शेफर्ड को थमा दी. मिलर और स्टब्स ने पहली दो गेंद पर दो सिंगल लिए. फिर तीसरी और चौथी गेंद पर मिलर ने दो छक्के मारकर स्कोर को बराबर कर दिया और पांचवीं गेंद पर चौका मारकर टीम को जीत दिला दी.

176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 18 के स्कोर पर ही अपने तीन विकेट खो दिए थे. लेकिन स्टब्स और राहुल ने चौथे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी करके पारी को संभाला. केएल राहुल 34 गेंद में 57 रन बनाकर आउट हुए. उसके बाद अक्षर पटेल ने भी अच्छी बल्लेबाजी की और पांचवें विकेट के लिए 47 रनों की साझेदारी की. अक्षर 19 गेंद में 26 रन बनाकर रियार्ट हर्ट होकर पवेलियन लौट गए. उसके बाद मिलर बल्लेबाजी करने आए और आखिर में स्टब्स

स्मृति मंधाना ने रोहित शर्मा को छोड़ा पीछे! टी20 इंटरनेशनल में हासिल की ये बड़ी उपलब्धि

नईदिल्ली (ए.)। भारतीय महिला बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने टी20 इंटरनेशनल में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं हैं. उनके नाम अब 161 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 30.53 की औसत और 124.45 के स्ट्राइक रेट से कुल 4,244 रन हो गए हैं. जिसमें एक शतक और 33 अर्धशतक शामिल हैं। मंधाना ने ये बड़ी उपलब्धि डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में हासिल की. उन्होंने मैच में 13 रन ही बना सकीं, लेकिन वो रोहित शर्मा को पीछे छोड़ने में सफल रहीं. रोहित शर्मा के नाम 159 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 4,231 रन हैं, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। हालांकि, अब उनके पास मंधाना के रिकॉर्ड को तोड़ने का कोई मौका नहीं है, क्योंकि टी20 विश्व कप 2024 के खत्म होने के बाद भारत के इस पूर्व कप्तान ने इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। स्मृति मंधाना को इस मैच में उतरने से पहले अपने पुरुष समकक्ष रोहित को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ एक रन की जरूरत थी, क्योंकि वह 4,231 रनों के साथ उनके बराबर थीं. सुने लुस की गेंद पर एक रन लेकर उन्होंने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका से छह विकेट से हार गई. पहले बल्लेबाज़ी करते हुए, हरमनप्रीत कौर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं. उन्होंने 33 गेंदों में 47 रनों की पारी खेली. इसके अलावा शैफाली वर्मा (34) और जेमिमा रोड्रिग्स (36) ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन वे इसे बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहीं. भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 157/7 का स्कोर बनाया. गेंदबाजों में अयाबोंगा खाका सबसे सफल रहीं, जिन्होंने तीन विकेट लिए, जबकि टुमी सेखुखुने ने दो विकेट चटकाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने पांच गेंदें शेष रहते लक्ष्य का पीछा कर लिया, जिसमें लॉरा वोल्वार्ड्ट (51) और एनेरी डर्कसेन (44 नाबाद) ने अहम पारियां खेलीं. श्रेयंका पाटिल ने दो विकेट लिए, जबकि अरुंधति रेड्डी और श्री चरानी ने एक-एक विकेट हासिल किया. इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका ने 5 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. सीरीज का दूसरा मैच 19 अप्रैल को खेला जाएगा.

चेल्सी का संकट गहराया: लगातार चौथी हार के बाद टॉप 5 से बाहर होने का खतरा, मैनचेस्टर यूनाइटेड मजबूत

लंदन (ए.)। शनिवार की रात का मुकाबला काफी अहम था, लेकिन चेल्सी एक बार फिर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई और मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ 1-0 से हार झेलनी पड़ी हैं। बता दें कि यह लगातार चौथा मैच है जब टीम गोल करने में नाकाम रही हैं, जो पिछले एक सदी से ज्यादा समय में सबसे खराब प्रदर्शन में गिना जा रहा हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार इस हार के बाद चेल्सी अंक तालिका में छठे स्थान पर बनी हुई हैं और शीर्ष पांच में जगह बनाने की उसकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा हैं। गौरतलब है कि अब टीम के पास सिर्फ कुछ ही मुकाबले बचे हैं, ऐसे में अगले सत्र के लिए यूरोप की शीर्ष प्रतियोगिता में जगह बनाना मुश्किल होता दिख रहा हैं। वहीं दूसरी ओर मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इस जीत के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली हैं। मैच का इकलौता गोल मैथियस कुण्हा ने किया, जिसमें ब्रूनो फर्नांडिस की अहम भूमिका रही हैं। फर्नांडिस का प्रदर्शन पूरे सत्र में शानदार रहा है और उन्हें इस बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के दावेदारों में देखा जा रहा हैं। गौरतलब है कि यूनाइटेड के अंतरिम कोच माइकल कैरिक के लिए भी यह जीत बेहद अहम मानी जा रही हैं। टीम ने कई प्रमुख रक्षात्मक खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद मजबूत खेल दिखाया, जिससे कैरिक के स्थायी नियुक्ति की संभावनाएं और बढ़ गई हैं। वहीं चेल्सी के कोच लियम रोसेनियर के लिए हालात लगातार मुश्किल होते जा रहे हैं। बता दें कि टीम पिछले आठ मुकाबलों में सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाई हैं, जिससे क्लब प्रबंधन और समर्थकों के बीच असंतोष बढ़ रहा हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार क्लब के अंदर भी अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है और कुछ बड़े खिलाड़ी अपने भविष्य को लेकर सोच-विचार कर रहे हैं। अगर टीम शीर्ष पांच में जगह नहीं बना पाती है, तो इसका असर आने वाले ट्रांसफर और टीम की रणनीति पर भी पड़ सकता हैं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

भव्य श्री परशुराम लोक
परशुराम
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
भगवान श्रीकृष्ण के चरणों से पावन हर स्थल पर
साकार हो रहा श्रीकृष्ण पाथेय
जानापाव – जीवंत होगा धर्म, ज्ञान और दिव्यता का अद्वितीय लोक
विरासत का विकास
इस देवस्थान का लगभग ₹17 करोड़ की लागत से होगा भव्य निर्माण
विशाल प्रवेश द्वार
विशिष्ट पत्थर एवं धातु से निर्मित 30 फीट ऊंचा आकर्षक प्रवेश द्वार
भव्य कांस्य प्रतिमाएं
प्रांगण में स्थापित होंगी भगवान श्री परशुराम एवं भगवान श्रीकृष्ण की कांस्य से निर्मित प्रतिमाएं
सुसज्जित परिसर
लैंडस्केपिंग, पाथवे एवं अन्य आधुनिक विकास कार्यों से बनेगा सुन्दर परिसर
कथा मंच
धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए समर्पित मंच
मंडप एवं दृश्य स्थल
प्रांगण में चार मंडप एवं दृश्य स्थल, अनुभव को बनाएंगे और भी विशेष
पौराणिक संग्रहालय
भगवान श्री परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन को दर्शाती 5 विशेष दीर्घाएं
दीर्घाएं
अस्त्र-शस्त्र दीर्घा, उत्पत्ति दीर्घा, स्वरूप दीर्घा, संतुलन दीर्घा एवं ध्यान दीर्घा
सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ता मध्यप्रदेश
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
D-11012/26